कोटद्वार, रविवार
6 जुलाई 2025
वर्षः 47
अंकः 69 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सोनप्रयाग से 500 यात्री हुए केदारनाथ रवाना

रुद्रप्रयाग। लगातार हो रही बारिश के बीच केदारनाथ दर्शन करने वाले यात्रियों की संख्या में भी गिरावट आ गई है। हालांकि यात्रियों की आवाजाही लगातार बनी है। शनिवार को सोनप्रयाग से 500 यात्री केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुए। सुबह मौसम भी ठीक था और मार्ग में भी सुचारु रहा। केदारनाथ धाम में दर्शनों को जा रहे यात्रियों को सुरक्षित यात्रा के लिए लगातार प्रशासन और पुलिस सर्तक कर रही है। मौसम का अपडेट लेने के साथ ही पैदल और हाईवे की बेहतर जानकारी के साथ ही यात्रा शुरू करें। ऐसे में यात्री खराब मौसम को देखते हुए कम संख्या में दर्शनों को पहुंच रहे हैं। बीते दिन केदारनाथ धाम में 1832 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। वहीं अब तक केदारनाथ धाम में दर्शन करने वाले कुल यात्रियों की संख्या 1331813 पहुंच गई है। इधर, शनिवार को केदारघाटी में मौसम बदला रहा। हालांकि 10 बजे बाद बारिश होने लगी किंतु सुबह 500 यात्री पुलिस सुरक्षा के बीच केदारनाथ के लिए रवाना हुए। सोनप्रयाग कोतवाली निरीक्षक राकेंद्र कठैत ने बताया कि सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच शटल सेवा सुचारु संचालित हो रही है। पैदल मार्ग में जहां बोल्डर गिरे थे, वहां आवाजाही के लिए ठीक कर दिया गया है। केदारनाथ हाईवे पर भी सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच वाहनों की आवाजाही हो रही है।

वाहन खाईं में गिरा चालक घायल

चमोली। थराली नारायणबगड़ के बीच मलतुरा में शनिवार को एक वाहन गहरी खाई में जा गिरा। इस घटना में वाहन चालक घायल हो गया। उसे उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। थाना प्रभारी थराली पंकज कुमार ने बताया कि शनिवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि थराली नारायणबगड़ मार्ग के बीच में ग्राम मलतुरा में एक वाहन गहरी खाई में गिर गया है। सूचना पर थाने से पुलिस बल तथा राहत बचाव उपकरणों के साथ में मौके पर रवाना किया गया। पुलिस बल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर सड़क से करीब 25 मीटर नीचे गहरी खाई में गिरे वाहन का निरीक्षण किया। जिसमें वाहन चालक नवीन चंद्र निवासी ग्राम दुधीला पोस्ट ऑफिस घेटा थाना कौसानी जिला बागेश्वर उम्र 42 वर्ष घायल अवस्था में मिला। जिसे ग्रामीणों की मदद से सड़क पर लाया गया। चालक के द्वारा बताया गया कि रात्रि में वह वाहन में अकेला ही कर्णप्रयाग से बागेश्वर की तरफ जा रहा था। घायल चालक को थराली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चालक को सामान्य चोटे हैं जिसका उपचार चल रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म में संगीत शिक्षक गिरफ्तार

देहरादून। प्रेमनगर क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक संगीत शिक्षक को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ पोक्सो समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, 03 जुलाई को किशोरी के पिता की ओर से प्रेमनगर थाने में तहरीर दी गई थी। उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी विश्वास दत्त शर्मा पुत्र स्व० राजीव दत्त शर्मा निवासी प्रेमनगर के पास संगीत सीखने जाती थी। आरोप लगाया कि व्यक्ति किशोरी से लंबे समय से अश्लील हरकत कर रहा था। बाद में उसने किशोरी के साथ डरा धमकाकर दुष्कर्म किया। किशोरी ने घर आकर परिजनों को आपबीती बताई। तब से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने टीम गठित कर उसकी तलाश शुरू की। जिसे 24 घंटे के भीतर शुक्रवार को दरू चौक प्रेमनगर से गिरफ्तार किया गया। शनिवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, यहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

सिडकुल क्षेत्र से अज्ञात का शव बरामद

रुद्रपुर। सिडकुल क्षेत्र में शनिवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया है। शनिवार सुबह सिडकुल क्षेत्र में करीब 50 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने नाली में पड़े शव को कब्जे में लिया। शिनाख्त के लिए आसपास एवं स्थानीय लोगों से जानकारी की गई। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई।

भारत के पहले सहकारिता विश्वविद्यालय की अमित शाह ने रखी आधारशिला

गुजरात। सहकारिता क्षेत्र के आधार को सशक्त करने की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के आणंद में देश के पहले सहकारिता त्रिभुवन विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी और कहा कि यह संस्थान सहकारिता क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही प्रशिक्षण की कमी को पूरा करेगा। सहकारी संस्थाओं में नौकरियां अब उन्हें ही मिलेंगी, जो डिग्रीधारी और प्रशिक्षित होंगे। पहले प्रशिक्षण और फिर नियुक्ति की व्यवस्था लागू होगी। इससे सहकारी संस्थाओं की नौकरियों में भाई–भतीजावाद की परंपरा अपने–आप खत्म हो जाएगी। सवा सौ एकड़ में प्रस्तावित इस राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना का निर्माण पांच सौ करोड़ रुपये से होगा।

आठ लाख सहकारी समितियों के प्रबंधन को किया जाएगा मजबूत

संस्थान के जरिए देश की आठ लाख सहकारी समितियों के प्रबंधन, प्रशिक्षण, तकनीकी एवं विशेषज्ञ दक्षता को मजबूत किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले अमित शाह ने जल और भूमि प्रबंधन संस्थान (वाल्मी) के परिसर में विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी।

इसका नाम भारत में सहकारी आंदोलन के शीर्ष नेता रहे दिवंगत त्रिभुवनदास किशिभाई पटेल के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने अमूल की स्थापना में बड़ी भूमिका निभाई थी।

पीएनबी घोटाले के आरोपी नीरव मोदी का भाई अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली ,पीएनबी घोटाले के आरोपी नीरव मोदी के भाई निहाल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। निहाल मोदी की गिरफ्तारी भारत सरकार के प्रत्यर्पण अनुरोध के तहत हुई है। अब अमेरिका में उनके प्रत्यर्पण की कार्यवाही शुरू हो गई है। भारत के प्रवर्तन निदेशालय (श्ष्ठ) और केंद्रीय जांच ब्यूरो ने निहाल के प्रत्यर्पण की अपील की थी। निहाल की जमानत पर सुनवाई 17 जुलाई को नेशनल डिस्ट्रिक्ट ऑफ होनोलूलू (हृष्ठह्॥) में होगी। निहाल मोदी भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक, पीएनबी घोटाले में वांछित हैं। जांच एजेंसियों का आरोप है कि उन्होंने अपने भाई नीरव मोदी की मदद करते हुए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई को छिपाया और शेल कंपनियों व विदेशी लेनदेन के जरिए उसे इधर–उधर किया। निहाल पर दुनिया की सबसे बड़ी हीरा कंपनियों में से एक, रूष्ठ डायमंड्स यूएसए से 2.6 मिलियन डॉलर (लगभग 22 करोड़ रुपए) से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप है। जांच में दावा किया गया है कि निहाल मोदी ने कॉस्टको के साथ डील पक्की करने का बहाना बनाकर कंपनी से हीरे धोखे से हासिल किए।

उत्तराखंड की पवित्र धरती के कण-कण में भगवान शिव का वास : धामी

मुख्यमंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को टनकपुर स्थित पर्यटन आवास गृह से कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यात्रियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया तथा उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े स्मृति चिह्न भेंट किए।

मुख्यमंत्री ने 11 राज्यों से आए सभी श्रद्धालुओं से संवाद कर उनका देवभूमि उत्तराखंड में हार्दिक स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने का सौभाग्य हर किसी को नहीं मिलता, यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मिक और आध्यात्मिक जागरण का मार्ग है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु इस अद्वितीय यात्रा के सहभागी बनकर केवल यात्रा नहीं, बल्कि समर्पण की अनुभूति लेकर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पवित्र धरती के

कण-कण में भगवान शिव का वास है। यह यात्रा अब केवल भौगोलिक मार्ग नहीं रही, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से यह सीमाओं को लांघते हुए शिव से साक्षात्कार का सशक्त माध्यम बन गई है। पहले जिस यात्रा में सात दिन या उससे अधिक का समय लगता था, अब वह कुछ ही घंटों में संभव हो सकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार इस यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित है। प्रत्येक पड़ाव पर स्वास्थ्य, आवास, भोजन, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुदृढ़ की गई हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने भगवान भोलेनाथ से सभी यात्रियों की सफल, मंगलमय और सुरक्षित यात्रा की कामना की। इस दौरान आयुक्त कुमाऊं मंडल दीपक रावत, आईजी आईटीबीपी और जन सम्पर्क अधिकारी कैलाश मानसरोवर यात्रा संजय गुंजियाल, पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊं मंडल रिद्धिम अग्रवाल, प्रबंध निदेशक कुमाऊं मंडल विकास निगम विनीत तोमर, जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार, जिलाधिकारी पिथौरागढ़ विनोद गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक चम्पावत अजय गणपति मौजूद थे।

भूस्खलन प्रभावित स्थान यमुनोत्री हाईवे सप्ताह बाद भी नहीं खुला

उत्तरकाशी। यमुनोत्री हाईवे पर सिलाई बैंड में भूस्खलन प्रभावित स्थान पर एक सप्ताह से लगातार मार्ग खोलने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। सिलाई बैंड में भूस्खलन प्रभावित स्थान पर तीन पोकलैंड एवं दो जेसीबी कार्य कर रही हैं। मार्ग न खुलने से यमुनोत्री धाम की यात्रा भी ठप है। यमुनोत्री हाईवे पर सिलाई बैंड में जहां पोकलैंड मशीन और जेसीबी की मदद से मार्ग खोलने के प्रयास जारी हैं, वहीं ओजरी में बैली ब्रिज तैयार किया जा रहा है।

एक सप्ताह बाद भी मार्ग सुचारू न होने से यमुनोत्री धाम की यात्रा शुरू नहीं हो पाई है। यात्रियों को बेसब्री से मार्ग खुलने का इंतजार है। यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए यात्रियों की नजर मार्ग खुलने पर टिकी है। वाहन चालक अभी भी स्यानचट्टी, रानाचट्टी, जानकीचट्टी आदि स्थानों पर फंसे हुए हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्या ने बताया कि ओजरी के पास बैली ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है।

तेज गति के साथ ब्रिज का निर्माण हो रहा है। सिलाई बैंड में भी मशीनें मार्ग खोलने में जुटी है। बता दें कि गत 29 जून को सिलाई बैंड में अतिवृष्टि से यमुनोत्री हाईवे का 20 से 30 मीटर हिस्सा ओजरी तक वाश आउट हो गया था। इस घटना में नौ मजदूर भी लापता हो गए थे, जिनमें से दो के शव मौके से बरामद किए गए। सात लापता लोगों की तलाश में अभी भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसाईं ने बताया कि आपदा प्रबंधन एवं एसडीआरएफ के ड्रोन ऑपरेटर द्वारा सिलाई बैंड एवं ओजरी क्षेत्र में ड्रोन कैमरे के माध्यम से वीडियोग्राफी की जाएगी। साथ ही साथ नदी किनारो पर भी ड्रोन कैमरे चलाए जाएंगे ताकि लापता व्यक्तियों की खोजबीन में सहयोग प्राप्त हो सके। वर्तमान में सिलाई बैड मे आपदा प्रबंधन के मास्टर ट्रेनर , क्यूआरटी टीम, ड्रोन ऑपरेटर आपदा प्रबंधन एवं ड्रोन ऑपरेटर एसडीआरएफ मौजूद है।

किशोरी का अपहरण कर युवक ने किया दुष्कर्म

देहरादून। दून निवासी एक किशोरी का अपहरण कर युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने शनिवार को गुरुग्राम से आरोपी को गिरफ्तार किया है। किशोरी उसके साथ ही थी। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि 29 जून को किशोरी के पिता ने नेहरू कॉलोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया था कि उनकी नाबालिग बेटी बिना बताए घर से कहीं चली गई है। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने किशोरी के घर के आस–पास सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चैक की तो, पता चला सुमित पुत्र सोमवीर राघव निवासी भंडोसी धामरोज गुरुग्राम हरियाणा उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। दोनों की तलाश के लिए पुलिस टीम हरियाणा रवाना हुई। काफी तलाश के बाद आरोपी को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया। एसएसपी ने बताया कि किशोरी उसके साथ मिली। पूछताछ में किशोरी ने युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। जिसके आधार पर दर्ज मुकदमे में पोक्सो समेत विभिन्न धाराएं जोड़ दी गई हैं।

रावतपुरा सरकार मेडिकल कॉलेज रिश्वतकांड पर सीबीआई का बड़ा खुलासा

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार मेडिकल कॉलेज रिश्वतकांड की प्रारंभिक सीबीआई जांच में यह साफ हुआ है कि टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस (टीआईएसएस) के चेयरमैन डीपी सिंह से रविशंकर महाराज (रावतपुरा सरकार) सीधे रिश्वत की सौदेबाजी कर रहे थे।

डीपी सिंह यूजीसी के पूर्व चेयरमैन के साथ ही उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा सलाहकार और बीएचयू, देवी अहिल्या और सागर विश्वविद्यालय के कुलपति भी रह चुके हैं। इस मामले के आरोपियों में छत्तीसगढ़ के सेवानिवृत्त आईएफएस अफसर और रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के अध्यक्ष संजय शुक्ला भी हैं। वे रावतपुरा कॉलेज से भी जुड़े हैं।

सीबीआई की गिरफ्त से बाहर कई आरोपी

अभी तक केवल कॉलेज के निदेशक अतुल तिवारी की गिरफ्तारी हुई है, जबकि रविशंकर महाराज, संजय शुक्ला, लेखापाल लक्ष्मीनारायण तिवारी और डॉ

अतिन कुंडू सीबीआई की गिरफ्त से बाहर है। सीबीआई की जांच में यह साफ हुआ है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी), आईटी और यूजी–पीजी बोर्ड के भीतर एक सुनियोजित रैकेट चल रहा है। इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों की मिलीभगत भी है। इस रैकेट ने मोटी रिश्वत के बदले कई निजी मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी गई, जबकि उनमें कई खामियां थीं।

55 लाख रुपये का ऑफर दिया

इस मामले में रविशंकर महाराज की सीधे तौर पर संलिप्ता पाई गई है। रविशंकर महाराज ने टीआईएसएस के चेयरमैन डीपी सिंह से सौदेबाजी के बाद श्री रावतपुरा मेडिकल कॉलेज के निदेशक अतुल तिवारी को रायपुर पहुंची एनएमसी की टीम से बातचीत करने को कहा। इसके बाद तिवारी ने टाटीबंध स्थित होटल में ठहरी राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग निरीक्षण दल की प्रमुख और मांड्या इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बेंगलुरु में आर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट की एचओडी डॉ मंजप्पा सीएन को सीधे 55 लाख रुपये का ऑफर किया।

डॉ मंजप्पा ने निरीक्षण दल के अन्य सदस्य बेंगलुरू के डॉ सतीश, डॉ चैत्रा एमएस, डॉ अशोक शेलके से इस बारे में बात कर सभी कों बराबर हिस्सा देने को कहा। डॉ सतीश ने हवाला ऑपरेटर के जरिए मिले 55 लाख रुपये बेंगलुरू में चैत्रा के पति रविचंद्रन के साथ जाकर एकत्र किया था।

बारिश से तापमान में गिरावट, आज भारी बारिश की चेतावनी

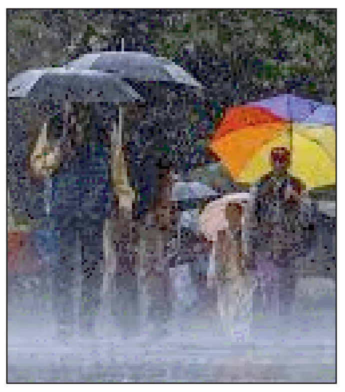

देहरादून। दून में दिनभर रिमझिम वर्षा से पारे में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, शनिवार को जलभराव की समस्या नहीं रही। अब रविवार को मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान देहरादून समेत आसपास के क्षेत्रों में कहीं–कहीं गरज–चमक के साथ तीव्र बौछारें पड़ सकती हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में भी कहीं–कहीं भारी वर्षा के आसार हैं। देहरादून समेत ज्यादातर क्षेत्रों में बौछारों का दौर जारी है। रुक–रुककर वर्षा हो रही है। जिससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। शनिवार को हुई वर्षा के कारण दून में अधिकतम तापमान में करीब पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई।

सुबह से ही घने बादल छाये रहने के साथ हल्की वर्षा होती रही। वहीं, पर्वतीय क्षेत्रों में पारे में कमी आई है। इसके अलावा पहाड़ों में कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण आवाजाही प्रभावित हो रही है। नदी–नालों में भी उफान से आसपास के क्षेत्रों में खतरा बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी कई क्षेत्रों में भारी वर्षा हो सकती है। खासकर देहरादून, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर में भारी से बहुत भारी वर्षा को लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अन्य जिलों में भी गरज–चमक के साथ ही बौछारें पड़ सकती हैं।

पीरपुरा गांव में युवक की जहरीले पदार्थ से मौत

रुड़क। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पीरपुरा गांव में शनिवार सुबह एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शनिवार सुबह पीरपुरा गांव के 26 वर्षीय युवक शाहनूर पुत्र परवस ने अज्ञात कारणों से जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। जैसे ही उसकी हालत बिगड़ने लगी, परिजनों ने तुरंत उसे नजदीकी रुड़की(आरएनएस)। के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में चिकित्सकों ने शाहनूर की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल उपचार शुरू किया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। डॉक्टरों ने शाहनूर को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मंगलौर कोतवाली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक शाहनूर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों का कहना है कि शाहनूर एक मेहनती युवक था और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह ऐसा कदम उठा सकता है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि शाहनूर ने यह कदम क्यों उठाया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के आधार पर ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

हिमाचल में चल रहे 2592 करोड़ के नेशनल हाइवे के काम, काम 2027 में होंगे पूरे : नड्डा

बिलासपुर ,भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा प्रदेश में 25 नेशनल हाईवे का काम चल रहा है जिनकी कुल लंबाई 2592 किलोमीटर है। इसमें से 785 किलोमीटर ह्र्रद्ध, 1238 किलोमीटर रूशक्त्र॥ और 569 कम क्क्ख्र द्वारा बनाए जा रहे हैं। नड्डा ने इन कार्यों के लिए प्रधानमंत्री मोदी एवं केंद्र मंत्री नितिन गडकरी का धन्यवाद किया। नड्डा ने बताया कि चार बड़े कार्य चल रहे हैं जिसमें से अधिकतम कार्य 2026 एवं 2027 तक पूर्ण हो जाएंगे और बाकी 2028 में होंगे। चार कामों का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि कीरतपुर मनाली कॉरिडोर जिसके लिए 7667 करोड़ आवंटित है जिसमें 12 टनल 11.51 किलोमीटर का निर्माण होगा। कीरतपुर मनाली कुल आवंटन

9452 करोड़, 28 टनल जिनकी लंबाई 41 किलोमीटर होगी। शिमला मटौर 10208 करोड़ का आवंटन जिसमें 15 टनल कुल टनल लंबाई 13.41 होगी।। पठानकोट मंडी कुल आवंटन 1088 करोड़, 13 टनल बनेगी जिनकी कुल लंबाई 10 किलोमीटर होगी। ध्यान दें कि यह लंबाई केवल टनल के बारे है।

नड्डा मुख्यमंत्री को दो विषयों के बारे में लिखेंगे चि्ठी बात भी करेंगे

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बताया कि वह दो विषयों के बारे में मुख्यमंत्री से बात भी करेंगे और चि्ठी भी लिखेंगे।एक विषय जितने भी ह्र्रद्ध द्वारा काम चल रहे है उनको उद्योग से बाहर किया जाए क्योंकि उन्हें राज्य प्रदूषण बोर्ड की ह्लह्रष्ट हर साल लेनी पड़ती है जिसके कारण काम धीमी गति से चल रहा है इसके अंतर्गत क्रेशर तारकोल पिघलाने वाले यंत्र हॉट मिक्सर आते हैं यह सब अस्थाई काम है कुछ समय बाद बंद हो जाते हैं। दूसरा विषय ड्रेजिंग का है, व्यास नदी के इर्द–गिर्द इस विषय के बारे में काफी चिंता करने की आवश्यकता है और प्रदेश सरकार को इसके बारे जल्द से जल्द निर्णय लेना चाहिए। सुमदो काजा सड़क की सैंक्शन 2024 में मिल गई थी और यह काम बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन कर रही है पर राज्य सरकार अभी तक इसकी फॉरेस्ट क्लीयरेंस नहीं दे पा रही है अगर यह क्लीयरेंस जल्दी आ जाए तो काम जल्दी चलेगा।

बिहार में निष्पक्ष चुनाव होना चाहिए-राज बब्बर

लखनऊ ,बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर विपक्ष के सवालों को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज बब्बर ने सही ठहराया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सवालों को गंभीरता से लेते हुए सरकार और चुनाव आयोग को निष्पक्ष चुनाव कराना चाहिए। राज बब्बर शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि हाल के चुनावों में मतदाता सूची और डाले गए वोटों की संख्या में कथित अनियमितताओं पर विपक्ष ने सवाल उठाया है। लेकिन, सरकार विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं दे पाई। विपक्ष सवाल पूछकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। उन्होंने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग से इन मुद्दों को गंभीरता से लेने की मांग की है।

महाराष्ट्र भाषा विवाद पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज बब्बर ने कहा कि महाराष्ट्र देश का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब हम हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की बात करते हैं, तो महाराष्ट्र के लोग इसके लिए अपनी जान देने के लिए भी तैयार रहते हैं। लेकिन, जब बात स्वाभिमान और सम्मान की आती है, तो उन्हें अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है। हर राज्य चाहता है कि उसकी पहचान और गौरव को मान्यता मिले, इसमें कोई बुराई नहीं है। यह दूसरों को नीचा दिखाने की बात नहीं है, बल्कि आपसी सम्मान और एकता के साथ खड़े होने की बात है। सरकार को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। संगठन सृजन कार्यक्रम पर कांग्रेस नेता ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है। यह प्रक्रिया कांग्रेस पार्टी के भीतर, खासकर उत्तर प्रदेश में, बहुत पहले शुरू होनी चाहिए थी।

हालांकि, नेतृत्व ने, खासकर दिल्ली में बैठे लोगों ने, अब सही कदम उठाए हैं और जिस तरह से यह प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है, उससे विश्वसनीयता बनाने में मदद मिलेगी।

सास को पालकी में बैठाकर 200 किमी यात्रा कराने के लिए बहु बनी श्रवण कुमार

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा सिर्फ हरकी पैड़ी से गंगाजल भरकर ले जाना ही नहीं है बल्कि बुजुर्गों की सेवा करना भी है। कई श्रद्धालु अपने बुजुर्ग माता–पिता को सावन में गंगा स्नान करवाने लाते हैं और कांवड़ की तरह उन्हें पालकी में बैठाकर यात्रा करते हैं।

ऐसे ही एक महिला अपने बच्चों के साथ अपनी बुजुर्ग सास को गंगा स्नान करवाकर और पालकी में बैठाकर 200 किमी लंबी यात्रा कर रही। हापुड़ निवासी आरती ने हरकी पैड़ी से गंगाजल भरकर अपनी बुजुर्ग सास ऊषा देवी को अपनी बेटी लवी और भतीजे हिमांशु भतीजी राशि की मदद से गंतव्य की ओर प्रस्थान किया।

लोकतंत्र पर भारत का अटूट भरोसा

लोकतांत्रिक प्रणाली में संतुष्टि के मामले में भारतीय दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली ,भारतीय लोगों का अपनी लोकतांत्रिक प्रणाली के मामले में भरोसा लगातार बढ़ रहा है। भारत ने हाल ही में अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी उल्लेखनीय प्रगति की है, जो भारतीय नागरिकों की अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बढ़ते विश्वास के अनुरूप है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय लोग दुनिया में अपने लोकतंत्र से संतुष्टि के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, भारत अपने लोकतंत्र से संतुष्टि के मामले में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है, जो स्वीडन (75 प्रतिशत) के ठीक पीछे 74

प्रतिशत के साथ खड़ा है। यह उपलब्धि 23 देशों के सर्वेक्षण में हासिल की गई है, जहां औसतन 58 प्रतिशत लोग अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था से असंतुष्ट हैं। यह आंकड़ा भारत की प्रगति और जनता के विश्वास को दर्शाता है जो देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। इस सर्वे के अनुसार 15 देशों में आधे से अधिक लोग अपने देश की लोकतांत्रिक प्रणाली से संतुष्ट नहीं हैं। 2017 से लगातार किए जा रहे प्यू रिसर्च के सर्वेक्षणों में यह स्पष्ट हुआ है कि उच्च आय वाले देशों जैसे कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, जापान, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में लोकतंत्र के प्रति असंतोष 64 प्रतिशत तक पहुंच गया है,

भारत अब केवल सीमा पर सख़्त नहीं, बल्कि आसमान में भी निर्णायक

ममता रावत

भारत की वायु सीमाओं में अब केवल परिंदे ही नहीं, उड़ेंगे,बल्कि आत्मनिर्भरता के पंखों से सुसज्जित वह राष्ट्रीय स्वप्न भी ऊंचाई पकड़ेगा, जिसे दशकों तक वैश्विक तकनीकी निर्भरता ने रोक रखा था। जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह घोषणा की कि भारत अब पूरी तरह से स्वदेशी 5 वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान विकसित करेगा, तब यह केवल एक रक्षा सौदे की सूचना नहीं थी। यह उस परिवर्तन की उद्घोषणा थी, जो भारत को रक्षा आयातक से रक्षा निर्माता और अब रक्षा निर्यातक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की ओर अग्रसर है। दरअसल,यह निर्णय उस 'राष्ट्र संकल्प' का परिणाम है जो वर्षों से इस माटी की अंतर्ध्वनि में पल रहा था,कि भारत अपने रक्षण की शक्ति स्वयं रचेगा। कुछ वर्ष पहले तक रक्षा निर्यात भारत की कल्पना से भी परे की बात मानी जाती थी। किंतु आज हम प्रत्यक्ष देख रहे हैं कि रक्षा निर्यात का आंकड़ा नए कीर्तिमान की ओर बढ़ रहा है। यह कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि उत्पादनशील राष्ट्र की परिपक्वयोजना है,इसमें न केवल डीआरडीओ और एचएएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण संस्थाएं योगदान दे रही हैं, बल्कि हजारों एमएसएमई, स्टार्टअप्स और नवोन्मेषी युवाओं की सृजनशीलता भी भागीदार बन चुकी है।

इन सब प्रयासों का प्रत्यक्ष और तात्कालिक प्रमाण बना वह सैन्य अभियान, जिसने न केवल पड़ोसी को झकझोरा बल्कि पूरे विश्व को भारत की क्षमताओं पर पुनर्विचार करने पर विवश कर दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर'–जिसे अब आधुनिक सैन्य रणनीति का मील का पत्थर माना जा रहा है,ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब केवल सीमा पर सख़्त नहीं, बल्कि आसमान में भी निर्णायक है। जब केवल 22 मिनट के भीतर पाकिस्तान के बहावलपुर से लेकर कराची तक फैले 11 आतंकवादी अड्डों को भारतीय वायुसेना ने धूल चटा दी, तब विश्व ने देखा कि भारत अब तकनीक, संकल्प और साहस,तीनों में अग्रणी है। यह ऐतिहासिक सफलता कोई आकस्मिक घटना नहीं थी। भारत की सैन्य परंपरा और वीरता का एक गौरवशाली इतिहास है। बहरहाल, हम फिर आते हैं पांचवीं पीढ़ी के विमान पर। इस संदर्भ में भारत की तेजस परियोजना का उदाहरण पर्याप्त होगा। तेजस मार्क–2 की सफलता के साथ भारत अब न केवल मिड–क्लास फाइटर कैटेगरी में आत्मनिर्भर है, बल्कि अगली पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। यह विमान न केवल भारत की सीमाओं की रक्षा करेगा, बल्कि भारत के उस वैज्ञानिक आत्मविश्वास का परिचायक बनेगा जो अब रक्षा वैज्ञानिकों की प्रयोगशालाओं में दमक रहा है।यह भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है कि भारत की यह सामरिक उन्नति केवल सैन्य दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य से भी क्रांतिकारी सिद्ध हो रही है। भारत का यह 5वीं पीढ़ी का फाइटर जेट भी एक आक्रमण का औज़ार नहीं, बल्कि एक चेतावनी है कि, भारत शांति का उपासक है, किंतु असहाय नहीं। युद्ध उसका अंतिम विकल्प है, लेकिन आवश्यकता हुई तो वह विकल्प निर्णायक सिद्ध होगा।फ्रांस के साथ यह सामरिक साझेदारी भी केवल तकनीकी आदान–प्रदान नहीं, एक परिपक्व कूटनीतिक संबंध का विस्तार है। राफेल के बाद यह अगला चरण भारत को 'विकासशील ग्राहक' से 'विकसित साझेदार' की भूमिका में प्रतिष्ठित करता है। यह विमान जब भारत की धरती पर बनेगा, तब वह न केवल भारत के आसमान को सुरक्षित करेगा, बल्कि भारत के वैश्विक स्थान को भी ऊंचा करेगा। इस संपूर्ण परिदृश्य में यदि कोई एक तत्व सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण है, तो वह है भारत का बदलता हुआ मनोबल। यह अब कोई असहाय या द्वितीय पंक्ति का राष्ट्र नहीं रहा, जिसे तकनीक के लिए अनुदान और आयात की आवश्यकता पड़े । भारत अब निर्माता है, और जब कोई राष्ट्र अपने रक्षण का निर्माता बनता है, तब वह पराजित नहीं होता,चाहे रणभूमि हो या वैश्विक मंच !

सेमीकंडक्टर बनेगा छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का नर्या इंधन

जी.एस केशरवानी

भारत के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में छत्तीसगढ़ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नवा रायपुर अटल नगर में 1100 करोड़ रुपये की लागत से छत्तीसगढ़ की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का भूमिपूजन किया जा चुका है। देश की प्रसिद्ध सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी पोलीमैटेक इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट की आधारशिला रखकर विकसित छत्तीसगढ़ की तरक्की को नई गति दी गई है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नई उद्योग नीति और इज ऑफ डुईंग बिसनेस के तहत् राज्य द्वारा दी जा रही सुविधाओं और सहुलियतों से राज्य में निवेश का नया वातावरण तैयार हुआ है। सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी पॉलीमैटेक ने भी दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टमेंट समिट में छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई थी और मात्र तीन महीने के भीतर ही भूमिपूजन का कार्य संपन्न हुआ। यह छत्तीसगढ़ में ईज ऑफ डूईंग बिजनेस की सफलता को दर्शाती है। छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर प्लांट की स्थापना से जहां एक ओर बड़े पैमाने पर चिप्स का निर्माण होगा, वहीं तकनीकि शिक्षा प्राप्त युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। राज्य सरकार द्वारा न केवल सेमीकंडक्टर निर्माण पर ध्यान दिया जा रहा है बल्कि सेमीकंडक्टर के लिए पूरे इको सिस्टम तैयार करने की भी योजना पर भी काम किया जा रहा है, जिसमें चिप डिजाईन से लेकर मेनुफेक्चरिंग और पैकेजिंग की पूरी व्यवस्था होगी। राज्य सरकार द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डाटा सेंटर जैसे नए और तकनीकि उद्योगों को बढ़ावा देने से राज्य में तकनीकि शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा साथ ही रोजगार के नए–नए अवसर भी बढ़ेंगे।

आस्था के सहारे आतंकवाद को जवाब

अनुराग गुप्ता

पवित्र अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ हमेशा से ही आस्था और भक्ति का प्रतीक रहा है, लेकिन इस वर्ष इसका महत्व कहीं अधिक गहरा गया है। 3 जुलाई, 2025 को शुरू हुई यह 38 दिवसीय यात्रा, जो 9 अगस्त को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर संपन्न होगी, मात्र एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति और अटूट विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विशेषकर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बावजूद, जिस तरह से श्रद्धालुओं का उत्साह और पंजीकरण का आंकड़ा (साढ़े तीन लाख से अधिक) बरकरार है, वह यह साबित करता है कि आतंकवादी अपने नापाक मंसूबों में कभी कामयाब नहीं होंगे।

इस यात्रा का पहला जत्था, जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह सिर्फ यात्रियों की आवाजाही नहीं, बल्कि राष्ट्र के अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का मार्च था। जिस तरह से प्रत्येक श्रद्धालु के चेहरे पर भगवान शिव के दर्शन की लालसा झलक रही थी, वह किसी भी आतंकी साजिश से कहीं अधिक शक्तिशाली है।

पहलगाम की घटना के बाद, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया गया है। लगभग 50,000 अर्ध सैनिक बलों की तैनाती, भारतीय सेना, जम्मू–कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का समन्वय, ड्रोन निगरानी, जीपीएस ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकें, यह सब केवल सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास को और मजबूत करने के लिए है। यह दिखाता है कि सरकार और सुरक्षा बल श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध हैं।

पहाड़ी बचाव दल और चिकित्सा सुविधाओं की व्यापक उपलब्धता भी यह सुनिश्चित करती है कि प्राकृतिक चुनौतियों का सामना भी पूरी तैयारी के साथ किया जा सके। यह अभूतपूर्व सुरक्षा घेरा आतंक के खिलाफ हमारी दृढ़ता का स्पष्ट संदेश है। हालांकि राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और खुफिया तंत्र को भी और चौकस रहने की जरूरत है। दरअसल, सीमा पार से संचालित आतंकवादी संगठन और उनके आका लगातार जम्मू–कश्मीर में अशांति फैलाने और लोगों के मन में डर पैदा करने की कोशिश करते रहे हैं। उनका उद्देश्य पवित्र यात्राओं को बाधित करना और धार्मिक सद्भाव को बिगाडना है, लेकिन अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का यह अथाह उत्साह और अटूट विश्वास उनकी सभी साजिशों पर भारी पड़ा है। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक कर्तव्य का निर्वहन है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ एक मौन, फिर भी शक्तिशाली विरोध भी है।

जब लाखों श्रद्धालु इतनी कड़ी सुरक्षा के बीच, विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए भी पवित्र गुफा की ओर बढ़ते हैं, तो यह आतंकवादियों और उनके समर्थकों को एक स्पष्ट संदेश देता है कि भारत के लोग न तो डरेंगे और न ही झुकेंगे। वे अपनी आस्था और अपने देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यह यात्रा आतंकवादियों के 'नैरेटिव' को ध्वस्त करती है और दिखाती है कि जम्मू–कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल हो रही है और शांति की इच्छा हर भय से ऊपर है।

अमरनाथ यात्रा 2025 केवल तीर्थयात्रा नहीं, बल्कि भारत की अविचल आत्मा, अटूट आस्था और आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता का प्रतीक है। यह यात्रा साबित करती है कि आस्था की अग्नि और राष्ट्रीय एकता का बल किसी भी नापाक इरादे से कहीं अधिक शक्तिशाली है। जाहिर है बाबा बर्फानी के प्रति आस्था दरअसल आतंकवादियों को श्रद्धालुओं का करारा जवाब है कि आतंकवाद के आका भारतीयों के हौसलों को कभी नहीं डिगा पाएंगे।

आखिर क्यों हो रही हैं नृशंस हत्याएं ?

हर्षवर्धन भट्ट

> समाज शास्त्रियों और गैर सामाजिक संगठनों ने इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। दरअसल कुटुंब व्यवस्था के बिगडने़ से बच्चे को परिवार का दुलार नहीं मिल पाता। ऐसे में बच्चा या तो आया के भरोसे या दिनभर घर में माता–पिता की राह देखकर एकाकी तौर पर पलता है। बड़ा होकर यही बच्चा थोड़ा सा भी तनाव नहीं झेल पाता और हिंसक हो जाता है। हाल में ऐसी कई घटनाएं प्रकाश में आई हैं। मेरठ की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पिंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अनुज को जहर पिलाकर मार दिया।

एक के बाद दूसरी ऐसी वारदात सामने आ रही है कि या तो पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की जघन्य हत्या की। या पति ने प्रेमिका के साथ मिलकर पत्नी को मारा। इस तरह की खबरें भी आए दिन पढने़ को मिलती हैं कि खाना अच्छा नहीं बना इसलिए पति ने पत्नी को इतनी जोर से मारा कि उसकी मृत्यु हो गई। जाहिर है बढ़ते भौतिकवाद और पैसा कमाने की अंधी होड़ ने आम आदमी के जीवन को तनाव से भर दिया है। इसी तनाव और हताशा में वो हिंसक होते जा रहा है।समाज शास्त्रियों और गैर सामाजिक संगठनों ने इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। दरअसल कुटुंब व्यवस्था के बिगडने़ से बच्चे को परिवार का दुलार नहीं मिल पाता। ऐसे में बच्चा या तो आया के भरोसे या दिनभर घर में माता–पिता की राह देखकर एकाकी तौर पर पलता है। बड़ा होकर यही बच्चा थोड़ा सा भी तनाव नहीं झेल पाता और हिंसक हो जाता है। हाल में ऐसी कई घटनाएं प्रकाश में आई हैं। मेरठ की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पिंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अनुज को जहर पिलाकर मार दिया। रिश्तों में हत्या का ऐसा ही प्रकरण बेंगलुरू में देखने को मिला, वहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करके उसकी बॉडी को सूटकेस में भर दिया। इस तरह की घटनाओं के लगातार बढने़ से दरअसल, देश के समाज शास्त्री चिंतित हैं।बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कत्ल हुआ है। इनमें से 60 प्रतिशत के करीब कत्ल महिलाओं या लड़कियों के अपने पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने किए। एक रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल औसतन 225 लोगों को उनकी पत्नियां कत्ल कर देती हैं और लगभग 275 पत्नियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हर ग्यारहवें मिनट में एक महिला या लडक़ी का कत्ल होता है। इनमें से औसतन हर रोज 140 महिलाओं या लड़कियों का कत्ल उनके घर के अंदर होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ अफ्रीकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कत्ल हुए थे और इनमें से भी 60 प्रतिशत से ज्यादा कत्ल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर ऐसे अपराधों में अब 2023 में एशिया पहले नंबर पर है और अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कत्ल होते हैं, उसकी 58 प्रतिशत शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं । लेकिन चौंकाने वाला आंकड़ा यह भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 प्रतिशत पुरुषों का भी कत्ल होता है अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर एक हजार पति में से 29 पति अपनी पत्नियों की हिंसा का शिकार होते हैं। जबकि एकल परिवार में यही आंकड़ा पत्नियों के लिए हर एक हजार में 32 है। वैसे पति पत्नी से जुड़े दर्ज कत्ल के मामलों के एक आंकड़े के मुताबिक 2022 में देशभर में पत्नी के हाथों पति के 220 कत्ल के मामले सामने आए थे। इसी दौरान पति के हाथों पत्नी के कत्ल के 270 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। कुल मिलाकर जो कुछ हो रहा है वो बेहद चिंता जगाने वाला है। इस पर समाजशास्त्रियों ने गंभीर विचार कर कोई हल खोजना चाहिए।

क्या बिहार विधानसभा चुनावों में जनस्वराज पार्टी का उदय होगा

अजय दीक्षित

बिहार विधानसभा चुनावों की रणभेरी बज चुकी है और राजग , राजद के बीच प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भी अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है। चुनाव विशेषज और सोफेजोलिस्ट प्रशांत किशोर नीतीश कुमार के विकल्प बनने की कोशिश में हैं।यद्यपि भारतीय जनता पार्टी ने घोषणा की है कि नीतीश ही मुख्यमंत्री होंगे। उल्लेखनीय है कि 243 सदस्यी बिहार विधानसभा चुनाव आगामी अक्टूबर 2025 में होंगे ।भारत पूर्ववर्ती राज्य बिहार में वर्तमान में राजग की सरकार है और जेडीयू नेता नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। नीतीश कुमार विगत 20 वर्ष से मुख्यमंत्री हैं। यद्यपि 2017 के चुनावों में वे भारतीय जनता पार्टी के साथ ही चुनाव लड़े थे लेकिन कुछ महीने आरजेडी के साथ भी सरकार चला कर लौट कर फिर एनडीए में आ गए और लोकसभा 2024 का चुनाव भारतीय जनता पार्टी के साथ लड़ा और 12 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। इस लिए नीतीश कुमार की राजनीति कोई भांप नहीं सकता है। अलबत्ता अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इतने हैं कि वफ़ संशोधन विधेयक पर भी समर्थन दिया । लेकिन अब थक गए हैं। बिहार विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय नेताओं का बोलबाला है।

लालू प्रसाद यादव के पुत्र तेजस्वी यादव राजेडी की कमान संभाल रहे हैं उनका कांग्रेस के साथ गठबन्धन है। लेकिन कांग्रेस बिहार में उत्तर प्रदेश की राह पर चल रही है और उसका वजूद खतरे में है। भारतीय जनता पार्टी बिहार की सबसे बड़ी पार्टी है लेकिन नेता विहीन है।पूरी तरह दिल्ली पर निर्भर है। हालांकि अगड़ी जातियों ब्राह्मण, क्षत्रिय, राजपूत, बनिया, और कुछ अनुसूचित जाति में अच्छी खासी पकड़ है। लेकिन नीतीश कुमार के जेडीयू की कोली,पासी,निषाद और कुछ हद तक गैर यादव पिछड़े वर्ग में पकड़ है।कुछ स्थानों पर लोक जन शक्ति की पकड़ है। ऐसे मिलाकर एनडीए खड़ा है। राजद की यादव मुस्लिम में पकड़ बेमिसाल है। बिहार में 18 फीसदी मुस्लिम है। इन दोनों गठबन्धन के बीच जन स्वराज के प्रशांत किशोर भी पूरे बिहार में घूम घूम कर पढ़े लिखे लोगों में यह कह रहे हैं कि 77 वर्ष में बिहार पूरे देश का मजदूर बन कर रह गया है।

झारखंड अलग होने के बाद बिहार में फंड्स का टोटा है

नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद यादव के कुनबे का खौंफ कम किया है। राजेडी के तेजस्वी यादव का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग को उतर कर जाने का आदेश दिया है कि वह ऐसे मतदाताओं को मतदान में भाग न लेने दे जो राजेडी को वोट कर सकते हैं। उन्होंने कहा है कि दो महीने पहले मतदाता सूची को रिवाइज करना गलत है। बिहार की भौगौलिक स्थिति ऐसी है कि बरसात में कोसी नदी,का पानी आधे बिहार को डूबा देता है। लोग आजन्म इस त्रासदी को भुगतते है। यद्यपि पटना, बेगुसराय, सीतामढ़ी, दरभंगा,आदि में विकास कार्य किया गया है।

प्रधानमंत्री सड़क परियोजना में अभी बिहार 1000 की आबादी पर अटका है जबकि महाराष्ट्र, गोवा, असम, मप्र, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, परियोजना खत्म कर चुके हैं बल्कि वे उन्नयन के लिए भी पैसा मांग रहे हैं। जलजीवन मिशन का भी यही हाल है। यद्यपि केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने बिहार को 75000 हजार करोड़ रुपए के हाइवे बन बाएं है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विशेष पैकेज दिया है। लेकिन बिहार में सबसे प्रमुख हैं जातीय जनगणना का मामला ।2027 तक जनगणना पूरी होगी ।

नारी सशक्तिकरण की नयी मिसाल, हर गांव की नारी, अब प्रेरणा की अधिकारी

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर, जहां मातृत्व की ममता और नारीत्व की गरिमा सदियों से पूजनीय रही है, वहीं आज एक नई सामाजिक क्रांति आकार ले रही है, महतारी वंदन योजना के रूप में। यह केवल एक कल्याणकारी योजना नहीं, बल्कि नारी गरिमा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का महोत्सव बन गई है, जिसने राज्य की लाखों महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन जीने की दिशा दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मार्च 2024 को महतारी वंदन योजना का शुभारंभ करते हुए स्पष्ट किया कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की हर माँ, बहन और बेटी को मुख्यधारा में लाने का संकल्प है। उन्होंने इसे नारी गरिमा का उत्सव कहा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की सक्रिय भागीदारी से यह योजना बहुत ही कम समय में जन–आंदोलन में परिवर्तित हो गई। शासन की प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता और समर्पण ने इसे घर–घर तक पहुंचा दिया।

आंकड़ों से आगे बढ़ती कहानीः

मार्च 2024 से जुलाई 2025 तक कुल 17 किश्तों में लगभग 70 लाख महिलाओं को 11 हजार 08 करोड़ रूपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई। यह केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि उन सपनों की पूंजी है जिन्हें अब तक परिस्थितियों ने दबा दिया था। योजना से महिलाओं को जो आत्मबल मिला, उसने उनके जीवन को नए आयाम दिए।

आर्थिक स्वावलंबन का रास्ताः

आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हैं। किसी ने छोटा व्यवसाय शुरू किया, तो किसी ने बच्चों की शिक्षा और घरेलू जरूरतों को सहजता से पूरा किया। यह आर्थिक संबल महिलाओं को आत्मविश्वास, सामाजिक पहचान और सम्मान दे रहा है। वे अब केवल पारंपरिक भूमिकाओं में सीमित नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक रीढ़ और समाज की निर्णायक शक्ति बनती जा रही हैं।

बजरंगी भाईजान की मुन्नी को मिली साउथ की बड़ी फिल्म

आपको बजरंगी भाईजान की वो क्यूट सी मुन्नी तो याद होगी, जिसने इतनी कम उम्र में कमाल की एक्टिंग कर सबका दिल जीत लिया था. मुन्नी का वह यादगार किरदार निभाने वाली हर्षाली मल्होत्रा अब बड़ी हो गई हैं और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने खुद अपने सोशल मीडिया पर अकाउंट पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए यह खुशखबरी अपने फैंस को दी. नंदमुरी बालकृष्ण की आने वाली फिल्म अखंड 2 लोगों के बीच काफी चर्चा में है. कलाकारों की घोषणा से लेकर पहली झलक तक, फैंस बड़े पर्दे पर धमाका देखने के लिए बेताब हैं. इन सबके बीच, निर्माताओं ने एक बड़ी घोषणा की है. सलमान खान की फिल्म बजरंगी भाईजान में मुन्नी की भूमिका से मशहूर हुईं हर्षाली मल्होत्रा, एनबीके के अखंड 2 में जननी के रूप में शामिल हो गई हैं. अखंड 2 में हर्षाली मल्होत्रा निर्माताओं ने अखंड 2 से जननी के रूप में हर्षाली मल्होत्रा का पहला लुक शेयर किया. वह ट्रेडिशनल लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं.

मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन दिया, एक देवदूत की मुस्कान और सोने का दिल. बजरंगी भाईजान फेम हर्षाली मल्होत्रा को अखंड 2 से जननी के रूप में पेश किया जा रहा है. अखंड 2 ठंडावम सिनेमाघरों में दशहरा 25 सितंबर को. इस खुशखबरी को हर्षाली ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपनी खुशी और फैंस का आभार जताया. फिल्म से अपना पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, एक खामोशी थी जो सब कुछ कह गई, एक मुस्कान थी जो दिल में रह गई.

पैट कमिंस ने पकड़ा एक हाथ से हैरतअंगेज कैच, वीडियो देख हैरान हुआ वर्ल्ड क्रिकेट

नईदिल्ली,वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मैच ग्रेनेडा के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है. दूसरे दिन के समाप्त तक मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 12 रन के स्कोर पर 2 विकेट खो दिए है. पहली पारी में कंगारुओं ने 286 रन बनाए थे जबकि मेजबान टीम वेस्टइंडीज की पहली पारी 253 रनों पर सिमट गई थी. जिससे ऑस्ट्रेलिया को 33 रनों की लीड मिल गई. खेल के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने शानदार फील्डिंग का प्रदर्शन किया, और एक हाथ से डाइविंग करते हुए हैरतअंगेज कैच पकड़कर सबको हैरान कर दिया. कैच की एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है. जहां हर कोई 32 वर्षीय खिलाड़ी की तारीफ कर रहा है और असंभव कैच को संभव में बलने पर हैरान भी हो रहे हैं. कमिंस ने ये कैच दूसरे दिन सुबह के 9वें ओवर में अपनी ही गेंद पर लिया था, जब उन्होंने एक अच्छी लेंथ वाली गेंद फेंकी, जिसे वेस्टइंडीज के दाएं हाथ बल्लेबाज केसी कार्टी अच्छे से खेल नहीं सके और गेंद बैट का अंदरूनी किनारा लेकर वहीं विकेट के पास शॉर्ट स्क्वायर पर उछल गई. जिसको कमिंस दौड़ते हुए अपनी दाईं ओर पूरी लंबाई में डाइव लगाते हुए जमीन से कुछ इंच ऊपर एक हाथ से कैच पकड़कर असंभव को संभव में बदल दिया. कमिंस के शानदार कैच को यहां देख सकते हैं.

मैच की बात करें तो वेस्टइंडीज की पहली पारी में 253 रनों पर सिमट गई. ऑस्ट्रेलिया ने जितने गेंदबाजों का इस्तेमाल किया उन सभी ने विकेट निकाले. लेकिन नाथन लियोन 3/75 सबसे सफल गेंदबाजों रहे.

बॉबी देओल का खूंखार अवतार, हरि हरा वीरा मल्लू में औरंगजेब बनकर मचाएंगे कोहराम

बॉलीवुड के 'साइलेंट स्टॉर्मझ् बन चुके बॉबी देओल अब एक नई ऐतिहासिक भूमिका में इस बार सीधे मुगल सम्राट औरंगजेब के रूप में नज़र आने वाले हैं। निर्देशक ज्योति कृष्णा की बहुप्रतीक्षित फिल्म हरि हरा वीरा मल्लू में बॉबी का ये किरदार सिर्फ एक ऐतिहासिक चरित्र नहीं, बल्कि एक इमोशनल और विजुअल विस्फोट है। पावरस्टार पवन कल्याण की मुख्य भूमिका से सजी यह भव्य पीरियड एक्शन फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है, और बॉबी देओल के इस उग्र, मौन लेकिन भयावह रूप ने पहले ही चर्चा बटोर ली है। बॉबी देओल ने फिल्म एनिमल में बिना बोले जो असर छोड़ा, उसने निर्देशक ज्योति कृष्णा को चौंका दिया। यही वह पल था जब उन्होंने तय किया कि उनके औरंगजेब को संवादों की ज़रूरत नहीं–बल्कि सिर्फ एक तीखी निगाह, एक ठहराव, और आंतरिक ज्वालामुखी चाहिए।

कंगना शर्मा का ब्लैक मिनी ड्रेस में दिखा बोल्ड अवतार, सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरें

एक्ट्रेस कंगना शर्मा अपने स्टाइल और ग्लैमरस लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर हमेशा चर्चा में रहती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह ब्लैक मिनी ड्रेस में बेहद बोल्ड और अट्रैक्टिव नजर आ रही हैं. उनका ये लुक फैंस को इतना पसंद आ रहा है कि पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है. ब्लैक रफल्ड टेक्सचर्ड मिनी ड्रेस में कंगना शर्मा का यह लुक काफी स्टनिंग लग रहा है. ओपन हेयर, न्यूड मेकअप और कॉन्फिडेंट पोज़ ने उनके इस लुक को और भी खास बना दिया है. इस पोस्ट में उन्होंने अपने स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट को भी टैग कर उनका आभार जताया है. कंगना शर्मा का ये लुक इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है. फैंस उन्हें गॉर्जियस, हॉट और स्टनिंग जैसे कॉम्प्लीमेंट्स दे रहे हैं. उनकी ये तस्वीरें एक बार फिर साबित करती हैं कि कंगना सिर्फ एक अच्छी एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि एक फैशन दीवा भी हैं.

वैभव सूर्यवंशी ने बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड अंडर–19 और भारत अंडर–19 के बीच चौथे मेंस यूथ वनडे मैच में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वैभव ने यूथ वनडे में सबसे तेज शतक जड़कर एक साथ दो रिकॉर्ड ध्वस्त किए। पहले में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया। वहीं, दूसरे में बांग्लादेश के पूर्व कप्तान का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दरअसल, सूर्यवंशी ने 52 गेंद पर शतक पूरा किया और पाकिस्तान के कामराम गुलाम के 53 गेंद पर सबसे तेज शतक बनाने के पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी तेजतर्रार पारी के दौरान 10 चौके और 7 छक्के लगाए। साथ ही वैभव सुर्यवंशी यूथ वनडे में सबसे युवा शतकवीर बने। उन्होंने नजमुल हसन शांतों के वर्ल्ड रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया।

वैभव सूर्यवंशी ने कामरान गुलाम को छोड़ा पीछे।

यूथ वनडे में सबसे तेज शतक

52 गेंद – वैभव सूर्यवंशी – भारत व19 बनाम इंग्लैंड व19 – वॉर्सेस्टर (2025)

53 गेंद – कामरान गुलाम – पाकिस्तान अंडर 19 बनाम इंग्लैंड अंडर 19 – लीसेस्टर (2013)

68 गेंद – तमीम इकबाल – बांग्लादेश अंडर 19 बनाम इंग्लैंड अंडर 19 – फतुल्लाह (2005/06)

69 गेंद – राज अंगद बावा – भारत व19 बनाम युगांडा व19 – तारौबा (2021/22)

69 गेंद – शॉन मार्श – ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 बनाम केन्या अंडर 19 – डुनेडिन (2001/02)

सूर्यवंशी यूथ वनडे में सबसे युवा शतकवीर बने

यूथ वनडे इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने के अलावा, सूर्यवंशी महज 14 साल और 100 दिन की उम्र में यूथ वनडे इतिहास में सबसे कम उम्र के शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने नजमुल हसन शांतो का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा,

एक नजर

वन विभाग और लोनिवि की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन वन प्रभाग की लालढ़ांग रेंज के अंतर्गत सीला-फेडुवा-किमसार मोटर मार्ग का निर्माण अब तक नहीं हो पाया है। इस कारण तीनों गांवों के करीब चालीस परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि वन विभाग और लोक निर्माण विभाग की लापरवाही का खामियाजा स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है। मोटर मार्ग का निर्माण न होने के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

शनिवार को किमसार निवासी छवाण सिंह ने बताया कि वन विभाग व लोनिवि की लापरवाही के कारण लगभग सात किमी. लंबा यह मोटर मार्ग अभी तक नहीं बन पाया है। स्थानीय निवासियों के आंदोलन की चेतावनी देने के बाद जहां लोनिवि की ओर से अपने वाले हिस्से पर कार्य आरंभ कर दिया गया है, वहीं वन विभाग अपने हिस्से की ओर ध्यान नहीं दे रहा है। सड़क न होने के कारण प्रसूताओं और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें मुख्य बाजार आने के लिए दो से तीन किमी. पैदल चलना पड़ रहा है। उन्होंने वन विभाग से सड़क के अधूरे छोड़े निर्माण को पूरा करने की मांग की है। उन्होंने मोटर मार्ग का निर्माण कार्य जल्द पूरा न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

सोशल मीडिया पर बह रही पंचायती चुनावी बयार

रुद्रप्रयाग। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के चलते नामांकन के अंतिम दिन बड़ी संख्या में प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इसको लेकर जहां ब्लॉक मुख्यालयों में बड़ी संख्या में चुनाव लड़ने वाले प्रतिनिधि नामांकन करने पहुंचे वहीं जिला पंचायत रुद्रप्रयाग में भी प्रत्याशी नामांकन करने आए। सोशल मीडिया पर पंचायत चुनाव की बयार बह रही है। एक ओर निर्विरोध बनने वाले प्रधान, क्षेत्र सदस्य अपने समर्थक और ग्रामीणों का आभार जताते वीडियो सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं वहीं चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ नामांकन के लाइव प्रसारण के साथ ही वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर चुनावी ताकत दिखाकर अपने प्रतिद्वंदियों को पछाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं लोकसभा और विधानसभा चुनाव की तरह त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी सोशल मीडिया पर प्रचार को बोलबाला बढ़ गया है। फेसबुक में नामांकन और गांव-गांव में वोट मांगने के वीडियो, फोटो खूब वायरल हो रहे हैं। अब, सोशल मीडिया का मतदाताओं पर कितना असर पड़ता है यह तो समय ही बताएगा किंतु प्रत्याशी तेजी से सोशल मीडिया को प्रचार के लिए सूब इस्तमाल कर रहे हैं।

विधायक चौधरी ने किया बरसीर–बधाणीताल मार्ग का निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने जखोली के आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों द्वारा मौके पर मार्ग खुलवाए जाने के कार्य का भी निरीक्षण किया। बीते 29 और 30 जून को मूसलाधार बारिश से जखोली ब्लॉक के बरसीर–बधाणीताल मोटर मार्ग पर पौठी–मुन्याघर के बीच मोटर पुल बह गया था। जबकि कई जगह मार्ग अवरुद्ध हो गया था। जिससे बांगर क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांव का सम्पर्क जखोली विकासखंड मुख्यालय से कट गया। स्थानीय लोगों की परेशानी को देखते हुए जल्द कार्यवाही की आवश्यकता महसूस हुई। जबकि पंचायत चुनाव के कार्यों के निमित्त चुनाव में प्रतिभाग कर रहे लोगों को विकासखण्ड मुख्यालय पहुंचने में लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है।

शनिवार को स्थानीय विधायक भरत सिंह चौधरी ने विभागीय अधिकारियों के साथ मौके पर जाकर मोटर मार्ग खुलवाने के लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

कटरूआ और मशरूम के लिए जंगल जाने वालों पर होगी कार्रवाई

चम्पावत। वन विभाग की ओर से अवैध रूप से जिले के मैदानी क्षेत्र के जंगलों में कटरूआ और मशरूम आदि के लिए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस संबंध में डीएफओ की ओर से आम लोगों से वर्षाकाल में जंगल में नहीं जाने की अपील की है। डीएफओ नवीन चंद्र पंत का कहना है कि चम्पावत वन प्रभाग के मैदानी क्षेत्र में स्थित बूम और दोगाड़ी रेंज के अंतर्गत वर्षा ऋतु में कटरूआ, धरती के फूल (मशरुम) पाया जाता है। उसको एकत्र करने के लिए स्थानीय ग्रामीण अवैधानिक तरीके से जंगल में प्रवेश करते हैं।

पार्किंग की व्यवस्था न होना बन रहा परेशानी का सबब

सड़क किनारे वाहन खड़े होने की वजह से लगा हुआ जाम।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर की सड़कों पर लगातार वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। लेकिन, इन वाहनों के लिए कहीं भी पार्किंग की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। पूर्व में नगर निगम ने शहर में पार्किंग स्थलों को चिह्नित किया था। बकायदा इन स्थानों पर पार्किंग शुल्क भी चस्पा किए गए। लेकिन, कई माह बीत जाने के बाद भी निगम की यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। नतीजा, शहर की सड़कों पर बेतरतीब तरीके से पार्क किए गए वाहन यातायात व्यवस्था में बाधा बन रहे हैं। साथ ही पैदल चलने वालों को भी दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में हर दूसरे दिन एक नया वाहन सड़क पर उतर रहा है। यही कारण है कि शहर की सड़कों पर लगातार वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। बाजार में इन वाहनों को खड़ा करने के लिए पार्किंग व्यवस्था तक उपलब्ध नहीं है। तमाम आश्वासनों के बाद भी सरकारी सिस्टम पार्किंग स्थल मुहैया नहीं करवा पा रहा। नतीजा, बाजार आने वाले अधिकांश दोपहिया व चौपहिया वाहन चालक अपने वाहनों को सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़ा कर देते हैं। सफेद पट्टी के बाहर खड़े वाहनों के कारण राहगीरों को बीच सड़क से होकर गुजरना पड़ता है। ऐसे में जहां पूरे दिन सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं, दुर्घटनाओं का भी अंदेशा बना रहता है। सबसे बुरी स्थिति सड़क किनारे सरकारी संस्थानों के बाहर बनी रहती है। त्योहारी सीजन में व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो जाती है। ऐसे में शहरवासी प्रशासन व नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करते रहते हैं। पूर्व सैनिक सहित अन्य सामाजिक संगठन लगातार पार्किंग व्यवस्था की मांग उठाते हुए आ रहे हैं।

यह स्थल हुए थे चिह्नित

शहरवासियों की मांग के बाद कुछ वर्ष पूर्व नगर निगम ने निजी वाहनों की पार्किंग के लिए देवी रोड पशु चिकित्सालय के समीप खाली पड़ी भूमि को चिह्नित किया था। लेकिन, यह योजना भी ठंडे बस्ते में चली गई। इसके उपरांत जब बाजार में नगर निगम ने स्थाई अतिक्रमण को हटाया था तो सड़क किनारे पार्किंग स्थल बनाने की बात कही। लेकिन, यह योजना भी धरातल पर नहीं उतर पाई। इसके उपरांत नगर निगम ने बद्रीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह के निचले तल के साथ ही तहसील के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे, नजीबाबाद रोड में सड़क किनारे सहित अन्य स्थलों को पार्किंग स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई। बकायदा प्रेक्षागृह के निचले तल में पार्किंग शुल्क भी चस्पा किया गया था। लेकिन, यह योजना भी केवल हवाई साबित हुई।

कोटद्वार के कार्तिक रावत देहरादून में लेंगे फुटबॉल प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वर्ष 2025-26 के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज रायपुर देहरादून में संचालित 8 खेलो में कक्षा 6 के लिए 57 खिलाड़ियों का चयन पूरे प्रदेश से किया गया है। फुटबॉल में 10 खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिसमें कोटद्वार से कार्तिक रावत का चयन हुआ है। कार्तिक के चयन से साथी खिलाड़ियों में खुशी की लहर है। शशिधर भट्ट स्पोर्ट्स स्टेडियम के फुटबॉल खिलाड़ी ट्रेनी कार्तिक रावत का चयन महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज देहरादून के लिए हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित खेलो इंडिया कैंप के प्रशिक्षक संदीप रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि 24 अप्रैल को कार्तिक ने कोटद्वार स्पोर्ट्स स्टेडियम के प्रथम चरण में अपनी शारीरिक परीक्षाएं पास की, उसके पश्चात् 21 मई को देहरादून में फाइनल ट्रायल क्लीयर किया। कार्तिक ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने प्रेरणा स्रोत माता-पिता एवं स्पोर्ट्स स्टेडियम के फुटबॉल प्रशिक्षक महेंद्र सिंह रावत को दिया है। मानपुर निवासी कार्तिक रावत के पिता हर्षपाल सिंह रावत एवं माता कंचन रावत दोनों ही उद्यमी हैं। कार्तिक के पिता भी पूर्व में फुटबॉलर रहे हैं और गढ़वाल यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित कर चुके हैं। स्टेडियम इंचार्ज बॉक्सिंग प्रशिक्षक श्याम सिंह डांगी, जिला ओलंपिक संघ के संरक्षक धीरेन्द्र कंडारी, सेवानिवृत लेफ्टिनेंट कर्नल चंद्रीपाल पटवाल, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सुनील रावत ने कार्तिक रावत के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए पूरे परिवार को शुभाकामनाएं दी है।

छः सफाई कर्मचारी डयूटी से नदारद, एक दिन का वेतन रोका

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शनिवार को सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने मौके पर पहुंचे अधिशासी अधिकारी नगर पालिका पौड़ी को छः कर्मचारी नदारद मिले। जिस पर अधिशासी अधिकारी ने इन सभी कार्मिकों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश सफाई निरीक्षक को दिए हैं। जिनमें चार कर्मचारी आउटसोर्सिंग, एक कर्मचारी संविदा और एक स्थाई कर्मचारी शामिल हैं। पालिका के अधिशासी अधिकारी एसपी जोशी ने बताया कि शनिवार को तड़के शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान यहां कर्मचारियों की उपस्थिति भी देखी गई। मौके पर कुल 6 कर्मचारी नहीं मिले। जो कार्मिक नहीं मिले उनमें से चार कर्मचारी आउटसोर्सिंग, एक कर्मचारी संविदा और एक स्थाई कर्मचारी शामिल हैं। इन सभी कार्मिकों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश सफाई निरीक्षक को दिए है। ईओ एसपी जोशी ने बताया कि इस समय बारिश के कारण जगह-जगह नालियां बंद हो जाती है। शहर में नालों की सफाई, सड़कों के किनारे से झाड़ी कटान का काम किया जा रहा है। जहां से शिकायत आ रही है उन्हें भी दूर किया जा रहा है। साथ ही जनप्रतिनिधि भी जहां इस संबंध में सूचना या शिकायत दे रहे उन स्थानों पर भी पालिका कर्मी जाकर व्यवस्था को ठीक करने का काम कर रहे हैं। इसके साथ ही बरसात में डेंगू पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर भी पालिका जगह-जगह फॉगिंग करवा रही है, ताकि इस रोग से बचाव हो सके और मच्छर न पनपे। लोगों से भी अपील की गई कि जहां भी पानी स्टोरेज हो उसे इन दिनों खाली कर दे। वहीं दूसरी ओर डीएम के निर्देशों के तहत गोवंश शिफ्टिंग का काम किया जा रहा है। इसके लिए पशुपालन विभाग से भी वार्ता की गई है। ईओ ने बताया कि पालिका जल्द ही भवन निर्माण सामग्री के सड़क किनारे रखे जाने, गोशाला संचालक के लिए स्वयं सेवी संस्थाओं के चयन आदि को लेकर बैठक करने जा रही है।

सब-जूनियर फुटबॉल टूर्नामेंट 11 जुलाई से

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : यूनिकस अकादमी, हल्दूखाता कोटद्वार की ओर से सब-जूनियर फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 (अंडर-14 बॉयज) का आयोजन आगामी 11 से 13 जुलाई तक किया जायेगा। टूर्नामेंट नॉक आउट आधारित होगा। अकादमी के प्रधानाचार्य ने बताया कि कोटद्वार फुटबॉल संघ के सहयोग से सब-जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 (अंडर–14 बॉयज) का आयोजन किया जायेगा। यह टूर्नामेंट 11 से 13 जुलाई 2025 तक यूनिकस अकादमी परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्रीय युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और फुटबॉल की भावना को प्रोत्साहित करना है। यूनिकस अकादमी सभी मैचों के लिए मेजबान स्थल के रूप में कार्य करेगी, जो इन महत्वाकांक्षी युवा फुटबॉल खिलाड़ियों को उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करेगी। वहीं, कोटद्वार फुटबॉल संघ संयोजक के रूप में कार्य करते हुए प्रतियोगिता के सफल आयोजन और निष्पक्ष खेल सुनिश्चित करेगा।

सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त न होने पर भड़के कांग्रेसी

सिंचाई विभाग कार्यालय पर किया प्रदर्शन, अधिशासी अभियन्ता को सौंपा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम के सनेह, कोटड़ीढ़ांग एवं भाबर के अधिकांश क्षेत्रों में सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त न होने के कारण धान रोपाई पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को लेकर शनिवार को सिंचाई विभाग के कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने अधिशासी अभियंता से किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के साथ ही गूलों की मरम्मत का कार्य करने की की मांग की और ऐसा न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि सनेह, कोटड़ीढ़ांग एवं भाबर के अधिकांश क्षेत्रों में सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त न होने और पर्याप्त पानी उपलब्ध न होने के कारण धान रोपाई के कार्य में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है।

यदि किसान समयांतर्गत धान रोपाई का कार्य नहीं पर पाएगा तो उनकी आय पर जहां प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा वहीं उनके सामने आजीविका का संकट भी उत्पन्न हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि सिंचाई नहरों व गूलों की यथासमय मरम्मत एवं रख-रखाव न होने से पानी की बर्बादी भी हो रही है। प्रदर्शन करने वालों में कांग्रेस पूर्व मेयर प्रत्याशी रंजना रावत, बलबीर सिंह रावत, रमेश चन्द्र खंतवाल, गोकुल सिंह नेगी, गोपाल सिंह गुसाईं, लक्ष्मी चौहान, भारत सिंह नेगी और उपेन्द्र सिंह नेगी, शीला भारती, श्रीधर प्रसाद बेदवाल सहित क्षेत्रीय ग्रामीण शामिल रहे।

सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन देते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता।

बच्चों से बालश्रम कराने पर होगी कार्रवाई

जिले में चलाया अभियान, बालश्रम कर रहे 43 बच्चों का किया रेस्क्यू

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले के परमार्थ निकेतन एवं लक्ष्मण झूला क्षेत्र में बाल श्रम और बाल अधिकारों के उल्लंघन के विरुद्ध विशेष संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के तहत घाटों पर फूल बेचते पाए गए कुल 43 नाबालिग बच्चों को मौके से रेस्क्यू किया गया। इनमें अधिकांश की उम्र 8 से 16 वर्ष के बीच थी। रेस्क्यू के बाद सभी बच्चों को संबंधित थाने लाया गया और उनके अभिभावकों को बुलाकर संयुक्त परामर्श सत्र आयोजित किए गए। टीम ने बच्चों के माता-पिता को भविष्य में बच्चों से बालश्रम न कराने के निर्देश दिए गए हैं। कहा कि बच्चों से बालश्रम कराया जाता है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अभियान में थाना लक्ष्मण झूला, मानव तस्करी विरोधी इकाई कोटद्वार, श्रीनगर तथा बाल कल्याण समिति पौड़ी की संयुक्त टीम ने सक्रिय सहभागिता निभाई। जिले में चलाए गए अभियान के दौरान जांच में सामने आया कि ये बच्चे प्रतिदिन घाटों पर कार्य करने भेजे जाते थे, जिससे उनकी शिक्षा बाधित हो रही थी। यह किशोर न्याय अधिनियम अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने बताया कि लक्ष्मणझूला के तहत महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति व संबंधित क्षेत्र के थाना द्वारा बच्चों को बालश्रम से मुक्त कराने के लिए संयुक्त रूप से अभियान चलाया गया। इसमें टीम द्वारा 43 बच्चों का रेस्क्यू करते हुए उनके माता-पिता को सौंपा गया। बताया कि रेस्क्यू किये गये बच्चों के माता-पिता को कहा गया कि उनके पठन-पाठन के लिये कोई आवश्यकता होती है तो उसके लिये जिला प्रशासन पूरी सहायता करेगा। अभियान में मानव तस्करी विरोधी इकाई श्रीनगर से जय प्रकाश, कुंवर सिंह, चौकी मुनि की रेती से उत्तम रमोला, थाना लक्ष्मण झूला से दीक्षा सैनी, सुबर्धन दीवान आदि शामिल रहे।

पेयजल स्रोत में मलबा डालने का ग्रामीणों ने किया विरोध

श्रीनगर गढ़वाल : डुंगरीपंत–खेड़ाखाल मोटर मार्ग पर चौड़ीकरण कार्य के दौरान निकाले जा रहे मलबे को जमसाली गांव के पेयजल स्रोत के ऊपर डंप किए जाने पर स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ा विरोध जताया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) श्रीनगर खंड के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर समस्या का समाधान करने की मांग की है। ग्रामवासी देवेंद्र उनियाल ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि मलबा जिस स्थान पर डंप किया जा रहा है, उसके ठीक नीचे गांव का प्राकृतिक पेयजल स्रोत स्थित है, जिससे सैकड़ों ग्रामीणों की जलापूर्ति होती है। बताया कि ट्रकों द्वारा लगातार उसी स्थान पर मलबा डाला जा रहा है, जिससे पेयजल स्रोत के दूषित होने और क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ गया है।

डुप्लिकेट चाय बेचने पर दुकानदार पर मुकदमा

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर क्षेत्र की दुकानों पर शनिवार को एक निजी कंपनी के सदस्यों और खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान एक दुकान में कंपनी के नाम से डुप्लिकेट चाय बेचने पर एक दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शनिवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी, पुलिस प्रशासन और कंपनी से पहुंची टीम ने व्यापारियों की शिकायत पर श्रीनगर में जनरल स्टोरों में छापेमारी की। कंपनी से पहुंचे सदस्यों द्वारा कंपनी के नाम से डुप्लिकेट चायपत्ती बेचने पर दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पौड़ी रचना लाल ने बताया कि व्यापारियों की शिकायत पर शनिवार को श्रीनगर में औचक निरीक्षण किया गया। बताया कि एक दुकान में एक कंपनी के नाम से चायपत्ती के पैकेट प्राप्त हुए हैं। कॉपीराइट सामग्री को जब्त कर दिया गया है। इधर, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि कंपनी के फील्ड ऑफिसर अश्वनी कुमार की ओर से मिली शिकायत के आधार पर दुकानदार विजय अग्रवाल के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। छापेमारी के दौरान नायब तहसीलदार दीपक भंडारी, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी, मुकेश भट्ट,सनी आहुजा आदि शामिल थे। (एजेंसी)

पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : शनिवार को वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत कैन्यूर कक्ष संख्या एक में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान पूर्वी अमेजी रेंज थलीसैंण व नगर पंचायत थलीसैंण के कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर पर्यावरण प्रमुख वन सरपंच ललिता प्रसाद मंमगाई ने कहा कि विश्व ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में है, इस कारण पर्यावरण असंतुलित हो गया है और इसके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में पौधा लगाना और उसे बचाना समय की मांग है। पौधा रोपण कर ही पर्यावरण को संतुलित रखा जा सकता है। कहा कि लोगों को जागरूक होकर अपने घर के आसपास, विद्यालय, महाविद्यालय परिसर में एवं खेतों में पौधा रोपण करना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, ऐसे अभियान में हर नागरिकों की हिस्सेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़ पौधों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। हम लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाना चाहिए। इस दौरान कर्मचारियों ने पौधे लगाने के साथ ही पेड़ों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया। इस मौके पर नगर पंचायत अधिकारी दीपक प्रताप, पर्यावरण प्रमुख वन सरपंच ललिता प्रसाद मंमगाई, वन दरोगा मदन सिंह बिष्ट, वन दरोगा कलम सिंह भण्डारी आदि मौजूद थे।

सीएम धामी ने खटीमा में की धान रोपाई, किसानों के श्रम को किया नमन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : खटीमा के नगरा तराई क्षेत्र में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को अपने खेत में धान की रोपाई कर किसानों के परिश्रम, त्याग और समर्पण को नमन किया। उन्होंने कहा कि खेतों में उतरकर पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता न केवल हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति और परंपराओं के संवाहक भी हैं।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत ह्लुड़किया बौलह्व के माध्यम से भूमि के देवता भूमियां, जल के देवता इंद्र और छाया के देवता मेघ की वंदना भी की। मुख्यमंत्री के इस सांस्कृतिक जुड़ाव और कृषकों के साथ आत्मीय सहभाग ने क्षेत्रीय जनता को गहरे स्तर पर प्रेरित किया। मुख्यमंत्री धामी की यह पहल उत्तराखंड की ग्रामीण संस्कृति, कृषकों की अहमियत और पारंपरिक लोक कलाओं के संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

पालिका ने प्रशासन से की डंपिंग जोन की मांग

नई टिहरी। नगर पालिका नई टिहरी को भी कई तरह की समस्याओं से जुझना पड़ रहा है। जिसे लेकर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने मानसून सीजन में बारिश को देखते हुए तत्काल जिला प्रशासन से पालिका के लिए डंपिंग जोन चिन्हित करने की मांग की है। पालिकाध्यक्ष का कहना है सरकारी निर्माणों का मलबा तो खूब यहां–वहां डंप हो रहा है, लेकिन नगर पालिका को सफाई दौरान एकत्र किये मलबे को डंप नहीं करने दिया जा रहा है। पालिकाध्यक्ष ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि कि नगर क्षेत्र में निर्माण कार्यों का मलबा सड़क, नालियों और मोहल्लों में पड़ा रहता है। भवन निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों का मलबा भी निर्माण विभाग शहर के विभिन्न हिस्सों में निस्तारित कर देते हैं। जिस कारण यह मलबा सड़कों पर बहने के साथ ही नालियों को चोक कर देता है। नतीजा सारा पानी सड़कों पर बहने लगता है। जिससे दुर्घटनाओं का होने का अंदेशा बना रहता है। अब जबकि बरसात का सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में मिट्टी, मलबे के निस्तारण के लिए डंपिंग जोन होना जरूरी है।

बीईएल में प्रदेश के युवाओं को दी जाए वरीयता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड कोटद्वार इकाई में प्रदेश के युवाओं को अप्रेंटिस व नौकरियों में वरीयता देने की मांग की है। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे युवाओं को नौकरी के लिए अन्यत्र शहरों की दौड़ लगानी पड़ रही है। समस्या के संबंध में भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष सौरभ नौडियाल ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण व बीईएल के महाप्रबंधक को ज्ञापन दिया। कहा कि कोटद्वार में भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड भी स्थापित है। यह इकाई देश की तरक्की में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। कहा कि कोटद्वार के साथ ही प्रदेश के युवाओं को इकाई में अधिक से अधिक रोजगार मिल सके, इसके लिए गंभीरता से कार्य किया जाना चाहिए। कहा कि युवाओं को बड़े शहरों की दौड़ न लगानी पड़े, इसके लिए बीईएल में प्रदेश के युवाओं को अप्रेंटिस व नौकरी के पदों पर वरीयता दी जानी चाहिए। कहा कि इस संबंध में पूर्व में भी बीईएल को पत्र दिया गया था। इस दौरान बीईएल महाप्रबंधक ने इस ओर गंभीरता से कार्य करने का आश्वासन दिया।

3 लाख से अधिक का जुर्माना वसूला

नई टिहरी। एसएसपी आयुष अग्रवाल ने कहा कि जनपद में पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाये जा रहे आपरेशन लगाम के तहत त्वरित व नियमित कार्यवाहियां की जा रही हैं। जिसके तहत जनपद टिहरी में एक माह के भीतर 935 चालान कर 3.09 लाख रुपये का जुर्माना भी वसूला गया है। बताया कि पुलिस मुख्यालय ने हुडदंग करने वाले, रैश ड्राइविंग, वाहनों पर काली फिल्म चढ़ाने, सड़क किनारे शराब, तम्बाकू व हुक्का आदि का सेवन करने वालों व असामाजिक व्यक्तियों के विरुद्ध आपरेशन लगाम चलाने का निर्देश दिया है। जिसके तहत जनपद में बीती 7 जून से लगातार अभियान को अंजाम दिया जा रहा है।

सरकारी भूमि से परिवारों को हटाए जाने का किया विरोध, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पूर्व में नगर निगम की बोर्ड बैठक में परिवारों को न हटाए जाने का प्रस्ताव किया था पास

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 37 पश्चिमी झंडीचौड़ के प्रेमनगर कालोनी में सरकारी भूमि पर बसे परिवारों को हटाए जाने का पार्षद व अन्य क्षेत्रीय जन ने विरोध किया है। कहा कि उक्त परिवार मूल रूप से गढ़वाल क्षेत्र के ही रहने वाले हैं। पूर्व में नगर निगम की बोर्ड बैठक में इन परिवारों को न हटाए जाने का प्रस्ताव भी लाया गया था। मांग की गई कि उक्त स्थान पर ही परिवारों को रहने के लिए पट्टे आवंटित किए जाएं। शुक्रवार को पार्षद सुखपाल शाह के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपा। बताया कि पिछले करीब दो दशक से वार्ड संख्या 37 के प्रेम नगर कालोनी में 30 परिवार निवास कर रहे हैं। इन सभी परिवारों के पास बिजली, पानी, वोटर कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज हैं।

इन सभी के बच्चे प्राथमिक विद्यालय व जूनियर हाई स्कूल व इंटर कॉलेज में पढ़ाई करते हैं। सभी परिवार मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं। लेकिन, वर्तमान में प्रशासन इन परिवारों को इस स्थान से हटा रहा है। बताया कि 25 फरवरी 2020 को नगर निगम कोटद्वार बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास किया था कि इन लोगों को नहीं हटाया जाएगा, बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। उत्तराखंड सरकार ने भी 19 मई 2023 को कैबिनेट बैठक में यहां निर्णय लिया कि 50 वर्ग मीटर भूमि आवास निर्माण के लिए गरीब परिवारों को निःशुल्क दी जाएगी। कहा कि अनुसूचित जाति व सामान्य जाति के इन सभी गरीब परिवारों को भूमि का पट्टा दिया जाना चाहिए। इस मौके पर सरोजनी देवी, भानुमति देवी, शांति देवी, चांदनी देवी, अनीता देवी, कमला देवी, गुड्डी देवी, ओम प्रकाश, अमर सिंह, गणेशी देवी आदि मौजूद रहे।

मीजल्स रूबेला की जागरूकता को लेकर दिया गया जोर

नई टिहरी। डीएम नितिका खंडेलवाल ने मीजल्स रूबेला उन्मूलन को गठित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक ली। बैठक में डीएम ने शिक्षा विभाग को प्रत्येक स्कूल में बच्चों को मीजल्स के प्रति जागरूक करने, बाल विकास अधिकारी को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करवाने, जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्राम स्तर पर कार्यक्रम के लिए जागरूकता प्रसार को निर्देशित किया। जबकि सीएमओ डा श्याम विजय ने ब्लाक वाइस इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम से अवगत करते हुए, संस्थागत प्रसव, खुशियों की सवारी, 108 सेवा के बारे में जानकारी दी।

पंचायत चुनाव और कांवड़ मेले की हर गतिविधि पर रखें पैनी नजर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और आगामी कांवड़ मेले को लेकर संचार व अभिसूचना कार्मिकों बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि संचार व अभिसूचना पुलिस के आंख, कान और तंत्र अभिन्न अंग है। उन्होंने पंचायत चुनाव व कांवड़ मेले के दौरान हर गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए। कहा कि चुनाव व कांवड़ मेले के दौरान होने वाली हर गतिविधि पर अपनी पैनी नजर रखे। ग्रामीण क्षेत्रों में चुनाव में शराब वितरण, धन प्रलोभन संबंधी मामलों व वोटरों को डराने-धमकाने के मामलों की जल्द जानकारी दे। बैठक में एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने चुनाव के निष्पक्ष व शांतिपूर्ण संचालन और कांवड़ मेले को भी सकुशल संपंन कराने को लेकर कर्मचारियों को निर्देश दिए। कहा कि संचार शाखा में नियुक्त कार्मिक आपातकालीन नंबर 112 के माध्यम से मिलने वाली सूचनाओं को जल्द संबंधित थाने को पहुंचाए। कहा कि पंचायत चुनाव व कांवड़ मेले में जिन स्थानों पर आरटी सेट लगने हैं उन स्थानों का चिह्नित करने हुए इन व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा कर लिया जाए। एसएसपी ने जिले में विभिन्न जगहों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की लगातार निगरानी करने, गंभीर सूचनाओं के मिलने पर संबंधित थाने के साथ-साथ वरिष्ठ अफसरों को समय से सूचित कराने के निर्देश दिए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अमन देवी रावत दर्ज हो गया है, जो कि गलत है, जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम अमन देवी है। अतः मेरे पासपोर्ट में मेरा सही व वास्तविक नाम अमन देवी अंकित किया जाये।

अमन देवी पत्नी श्री नत्थी सिंह निवासी वार्ड नंबर-100, शिव शक्ति इनक्लेव, नत्थूवाला, देहरादून, उत्तराखण्ड।

(01076/21)

संक्षिप्त समाचार

किमोठा गांव के अत्री तोक में लगातार भूस्खलन से लोग दहशत में

चमोली। चमोली जिले के संस्कृत ग्राम किमोठा के अंत्री तोक में पिछले कई दिनों से हो रहे लगातार भूस्खलन से ग्रामीण दहशत में हैं। ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला अधिकारी डाक्टर संदीप तिवारी से मुलाकात कर गांव की स्थिति बताई। किमोठा गांव के निवासी ब्रह्मचारी हरिकिशन किमोठी ने बताया कि किमोठा गांव के अंत्री तोक में लगातार भूस्खलन हो रहा है। ग्रामीणों ने डीएम से प्रभावितों की सहायता और भूस्खलन के ट्रीटमेंट की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे ब्रह्मचारी हरिकिशन किमोठी ने बताया जिलाधिकारी को ग्रामीणों ने बताया कि किमोठा तोणजी मोटर मार्ग के कार्य में कोई गुणवत्ता नहीं है। घटिया पेंटिंग की जा रही है सड़क प्रभावित ग्रामीणों को मुआवजा तक नहीं दिया गया है। मौके पर पूर्व प्रधान मधुसूदन किमोठी, दिगपाल सिंह नेगी, कमल किशोर किमोठी, शिव लाल, अंकित किमोठी, संदीप किमोठी, रोशन लाल, धीरेन्द्र लाल, एडवोकेट विनोद लाल आदि मौजूद रहे।

अतिथि शिक्षकों ने की चुनावी ड्यूटी से मुक्त रखने की मांग

नई टिहरी। माध्यमिक अतिथि शिक्षक एसोसियेशन भिलंगना ने खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) भिलंगना को पत्र सौंपकर अतिथि शिक्षकों को चुनाव ड्यूटी व गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखने की मांग की है। पत्र के माध्यम से अतिथि शिक्षकों ने बीईओ को बताया है कि अतिथि शिक्षक वर्तमान में तमाम समस्याओं से जुझ रहे हैं। जिस कारण चुनावी ड्यूटी करने में असमर्थ हैं। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि उन्हें जून माह का वेतन अब तक नहीं दिया गया है। जिससे उन्हें आर्थिक समस्याओं से जुझना पड़ रहा है। चुनावी ड्यूटी में अतिथि शिक्षकों को बीमा कवर नहीं दिया जाता है। जिससे जोखिम नहीं उठा सकते हैं। अतिथि शिक्षकों को मात्र शैक्षिणक कार्य के लिए रखा गया है। इसलिए चुनावी व अन्य गैर शैक्षणिक ड्यूटी से उन्हें मुक्त रखा जाय। इसी तरह से जीआईसी अखोड़ी, जीआईसी कुमशिला, राउमावि निवालगांव, जीआईसी नौलबासर सहित भिलंगना के कई विद्यालयों के अतिथि शिक्षकों ने सम्बंधित प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर चुनावी व गैर शैक्षणिक ड्यूटी से मुक्त रखने की मांग की है। पत्र सौंपने वालों में एसोसियेशन के ब्लाक अध्यक्ष विमल शाह, कोषाध्यक्ष सुशील रावत, सचिव उत्तम लिंगवाल आदि शामिल रहे।

18 छात्रों को 3 लाख की छात्रवृति दी गई

नई टिहरी। सनातन चेतना मंच के संयुक्त तत्वावधान में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी निर्धन, असहाय व मेधावी छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई। संस्था ने तहसील सभागार कीर्ति नगर में आयोजित एक सादे समारोह में 18 छात्र-छात्राओं को लगभग तीन लाख रुपये की वार्षिक फीस के रूप में छात्रवृत्ति वितरित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम कीर्तिनगर नीलू चावला उपस्थित रहीं। उनके माध्यम से लाभार्थियों के स्कूल खातों में छात्रवृत्ति के चेक जमा कराए गए। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के साथ-साथ संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य भी मौजूद रहे। संस्था शिक्षा के क्षेत्र में उन विद्यार्थियों को सहयोग करती है, जो आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं। संस्था उनकी वार्षिक फीस का वहन करती है तथा उन्हें पढ़ाई के लिए संपूर्ण सहयोग देती है। प्रतिवर्ष देवप्रयाग क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, पठन-पाठन सामग्री वितरण एवं शैक्षिक प्रोत्साहन कार्यक्रमों का आयोजन संस्था करती है।

बाइक चोरी के आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई टिहरी। थाना मुनिकीरेती पुलिस ने दो मोटर साईकिल चोरों को चोरी की गई बुलट के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों को न्यायलय में पेश करन की तैयारी कर रही है। पुलिस की मीडिया सेल के अनुसार बीती 3 जुलाई को थाना मुनिकीरेती पर करन पुत्र पवन कुमार निवासी 14 बीघा वार्ड नंबर 6 ढालवाला मुनिकीरेती ने बुलट मोटर साईकिल चोरी की शिकायत अज्ञात के खिलाफ दर्ज करवाई। जिस पर एसएसपी आयुष अग्रवाल ने थाना मुनिकीरेती में इस मोटर साईकल चोरी की वारदाता के खुलासा करने के निर्देश थानाध्यक्ष को दिये। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मुनिकीरेती पुलिस ने विवेचना एसआई चौकी प्रभारी तपोवन प्रवीन रावत को सौंपी।

जिला पंचायत गढ़कोट सीट पर सविता देवी ने किया नामांकन, त्रिकोणीय हुआ मुकाबला

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी जनपद गढ़वाल की कल्जीखाल विकासखंड की जिला पंचायत गढ़कोट सीट पर शनिवार को पंचायत चुनाव के अंतिम दिवस एक और प्रत्याक्षी श्रीमती सविता देवी ने भी नामांकन किया है। इस दौरान उनके साथ महिलाएं, युवा और पुरूष मौजूद थे। इस सीट पर कांग्रेस और भाजपा समर्थित प्रत्याशी अपना नामांकन करा चुके है। अब इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला हो गया है। कांग्रेस से श्रीमती सूरजी देवी और भाजपा से श्रीमती मोहिनी देवी ने नामांकन कराया है। जबकि शनिवार को श्रीमती सविता देवी ने भी नामांकन किया है। जिन्हें क्षेत्र के टैक्सी व कैब चालकों ने अपना समर्थन दिया है। जो भाजपा और कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों को कड़ी टक्कर देती दिखाई दे रही है। सविता देवी ने नामांकन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि उनके पति वाहन चालक है और पूर्व में ग्राम पंचायत प्रधान रहे है। वह सुख दुःख में हमेशा जनता के साथ खड़े रहते है। क्षेत्र के सभी वाहनों चालकों और जनता ने उन्हें अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से जनता का आशीवाद उन्हें मिल रहा है मुझे पूरा विश्वास है कि मुझे जरूर सफलता मिलेगी।

आपदा प्रभावितों को बांटी 7.85 लाख की अहेतुक सहायता राशि

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों पर सदर तहसील के अंतर्गत दैवीय आपदा से प्रभावित 24 लोगों को 7.85 लाख की अहैतुक सहायता धनराशि के चेक वितरित किए गए। अतिवृष्टि के कारण मानव क्षति, कच्चे और पक्के भवन के आंशिक क्षति होने पर प्रभावितों को यह अहैतुक सहायता दी गई है। देहरादून कारगी ग्रांट में दैवीय आपदा से पक्का आवासी मकान क्षतिग्रस्त होने पर मौ0 शाहिद पुत्र रईस को 1.20 और मौ0 शाहिद पुत्र असगर को 1.20 की अहेतुक धनराशि के चेक प्रदान किए गए। जबकि कांवली में दैवीय आपदा के कारण अरविन्द पुत्र प्रेम लाला की मृत्यु होने पर उनके पत्नी मीना देवी को 4.00 लाख की अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की गई।

जंगल हम बचाएंगे पुस्तक का वन मंत्री सुबोध उनियाल ने किया लोकार्पण

देहरादून। आज माननीय वन मंत्री सुबोध उनियाल जी ने देहरादून स्थित कैंप कार्यालय में युवा बाल साहित्यकार इंजी. ललित शौर्य द्वारा लिखित पुस्तक जंगल हम बचाएंगे का विधिवत विमोचन किया। यह पुस्तक बच्चों एवं आम जनमानस को वन संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता और वनाग्नि की रोकथाम के प्रति संवेदनशील बनाएगी।

अवसर पर माननीय मंत्री उनियाल जी ने कहा, लेखक ललित शौर्य द्वारा बाल साहित्य के माध्यम से प्रकृति संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सरल व प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करना प्रशंसनीय है।

ऐसी रचनाएं बच्चों में न केवल जागरूकता बढ़ाती हैं, बल्कि उनमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करती हैं ह्न उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी शौर्य की दो अन्य पुस्तकें ह्नगुलदार दगड्यिाह्न और ह्नफॉरेस्ट वॉरियर्सह्न का विमोचन स्वयं माननीय वन मंत्री जी द्वारा किया जा चुका है। अब तक इंजी. ललित शौर्य की कुल 19 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जो बाल साहित्य को एक नई दिशा दे रही हैं।

कार्यक्रम में हिमालयन हेरिटेज सोसायटी के डायरेक्टर रजनीश कौंसवाल ने कहा कि, ह्नहमारा उद्देश्य ह्यमोबाइल नहीं, पुस्तक दोह्न अभियान के तहत बच्चों में पढ़ने और लिखने की संस्कृति को पुनर्जीवित करना है। यह कार्यक्रम उसी कड़ी का एक प्रयास है ह्न इस अवसर पर बद्री–केदार मंदिर समिति के सदस्य राजपाल जड़धारी सहित अनेक साहित्यप्रेमी एवं पर्यावरण कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

संगठन में हर जिले, शहर और गांव–गांव में जोड़ेंगे पूर्व सैनिक

देहरादून।। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष कर्नल राम रतन नेगी (सेनि) ने कहा कि वह पूरे प्रदेश का दौरा कर हर जिले, हर शहर और गांव में पूर्व सैनिकों को कांग्रेस से जोड़ेंगे। आने वाले समय में कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग को राज्य का सबसे बड़ा पूर्व सैनिक संगठन बनाएंगे। कर्नल नेगी अपनी नियुक्ति के बाद शनिवार को पहली बार कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना से पार्टी का अंग वस्त्र पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान कर्नल नेगी के साथ आए पूर्व सैनिक प्रतिनिधिमंडल से संगठन को मजबूत करने की दिशा में चर्चा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पूर्व सैनिक विभाग पार्टी की रीढ़ की हड्डी है। इसलिए इस विभाग को मजबूत करना अति आवश्यक है।

आपदा प्रभावितों को बांटी 7.85 लाख की सहायता राशि

देहरादून। देहरादून सदर तहसील के तहत 24 आपदा प्रभावित लोगों को 7.85 लाख रुपये की तत्काल सहायता धनराशि के चेक दिए गए। यह धनराशि अतिवृष्टि के कारण मानव क्षति, कच्चे और पक्के भवन के आंशिक क्षति होने पर दी गई। देहरादून कारगी ग्रांट में पक्का आवासी मकान क्षतिग्रस्त होने पर मोहम्मद शाहिद को 1.20 लाख रुपये, मोहम्मद शाहिद पुत्र असगर को 1.20 लाख रुपये के साथ ही पेड़ गिरने से कावंली निवासी अरविन्द पुत्र प्रेम लाला की मृत्यु होने पर उनके परिवार को 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी गई। गढ़ी कैंट में पक्का भवन आंशिक क्षति होने पर प्रभावित अमित कुमार शर्मा को 11500 रुपये, रिखौली में कच्चा भवन आंशिक क्षति पर सविता देवी, अर्पित बिष्ट को चार–चार हजार, योगेश क्षेत्री और घंघोड़ा में भक्त बहादुर को उनका पक्का भवन आंशिक क्षतिग्रस्त होने पर 6500 की सहायता चेक दिए गए। ब्रहमपुरी लोहिया नगर में कच्चे भवन आंशिक क्षतिग्रस्त होने पर सगलीन, सागीर, नूरजहां व सत्तार अहमद को प्रति व्यक्ति 2500 रुपये की अहेतुक सहायता दी गई। बनिया बाजार बीरपुर में रेखा भंडारी, मोहिनी शाही, रितिका कन्नौजिया, कुसुम वर्मा, पूजा शर्मा, कोमल, वीर बहादुर, अतुल, दल बहादुर को 5–5 हजार की सहायता धनराशि दी गई। जाखन में पक्का भवन क्षतिग्रस्त होने पर अशरफ अली और किशन थापा को 11500 की सहायता राशि प्रदान की गई। सरौना में कच्चा आवासीय भवन आंशिक क्षतिग्रस्त होने पर प्रभावित रणवीर सिंह को 4 हजार का चेक दिया गया।

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री घोषणाओं के कार्यों की समीक्षा की

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री घोषणाओं की विभागवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री घोषणा के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और कार्यों की नियमित रिपोर्ट उपलब्ध कराने के आदेश दिए। साथ ही उन्होंने जिला स्तर पर लम्बित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कर योजनाओं का कार्य शुरू करवाने की बात कही। वहीं उन्होंने शासन स्तर पर लंबित प्रकरणों का फॉलोअप कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में योजनाओं का निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा मुख्यमंत्री घोषणाएं सीधेतौर पर आम जनता के हितों से जुड़ी होती है। ऐसे में अधिकारी घोषणाओं के क्रियान्वयन को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र करवाना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने लोनिवि के अधिकारियों को तहसील प्रशासन और वन विभाग से समंवय स्थापित कर भूमि से सम्बन्धित मामलों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त धन की आवश्यकता वाली योजनाओं के पुनः प्रस्ताव तैयार कर उपलब्ध कराने की बात कही।

केंद्रीय विद्युत सचिव ने पीएसपी की सीओडी प्रक्रिया शुरू की

नई टिहरी। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा के बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में सार्वजनिक उपक्रम टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने उत्तराखंड के टिहरी में 1000 मेगावाट के वैरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट (पीएसपी) की दूसरी यूनिट (250 मेगावाट) के लिए सीओडी प्रक्रिया की सफल शुरुआत केंद्र सरकार के विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल ने की। जानकारी देते हुए टीएचडीसी के टिहरी काम्पलैक्स के ईडी एलपी जोशी ने बताया कि टिहरी में पीएसपी का यह विकास भारत की जलविद्युत क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है, क्योंकि टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट न केवल देश की पहली वैरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज सुविधा है, बल्कि किसी भी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम द्वारा कार्यान्वित अपनी तरह की सबसे बड़ी सुविधा भी है। प्रथम यूनिट जून, 2025 से पहले से ही सफलतापूर्वक प्रचालित हो रही है, दूसरी इकाई की सीओडी प्रक्रिया का प्रारंभ एक तकनीकी रूप से उन्नत एवं ग्रिड–संतुलन के लिए स्वच्छ ऊर्जा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ता प्रदान करने में टीएचडीसीआईएल के नेतृत्व को और महत्वपूर्ण बनाता है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल उपस्थित रहे। विद्युत मंत्रालय के अपर सचिव आकाश त्रिपाठी, विद्युत मंत्रालय के संयुक्त सचिव मोहम्मद अफजल, एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह, टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आरके विश्नोई, निदेशक (कार्मिक) शैलेन्द्र सिंह, निदेशक(तकनीकी) भूपेन्द्र गुप्ता एवं निदेशक (वित्त) सिपन कुमार गर्ग की उपस्थिति में वर्चुअल मोड के माध्यम से दूसरी इकाई के प्रचालन की आधिकारिक शुरुआत शुक्रवार को की। इस मौके पर विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने संबोधन में कहा कि दूसरी यूनिट की वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी) प्रक्रिया बेहतर हुई है। उन्होंने विद्युत मंत्री मनोहर लाल की ओर से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ–साथ परियोजना से जुड़ी अनुबंध एजेंसियों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने कहा कि 4 जून को पहली यूनिट के सफल सीओडी संचालन के बाद 4 जुलाई को दूसरी यूनिट का संचालन टीएचडीसीआईएल टीम की सतत प्रगति और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आरके विश्नोई ने कहा कि टिहरी पीएसपी में दूसरी यूनिट की सीओडी प्रक्रिया का प्रारंभ न केवल टीएचडीसीआईएल द्वारा एक अत्याधुनिक तकनीकी सफलता का प्रतीक है, बल्कि भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में एक दृढ़ कदम का भी संकेत देता है। 250 मेगावाट की चार रिवर्सिबल यूनिटों के साथ, टिहरी पीएसपी 1000 मेगावाट स्वच्छ पीकिंग विद्युत का उत्पादन करने का अनूठा लाभ प्रदान करता है, जो विद्युत प्रणाली की विश्वसनीयता और ग्रिड स्थिरीकरण की महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करता है। श्री विश्नोई ने कहा कि टिहरी पीएसपी की सभी चार यूनिटों के कमीशन होने पर, टिहरी हाइड्रो पावर कॉम्प्लेक्स 2400 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करेगा, जो भारत का सबसे बड़ा जल विद्युत काम्पलैक्स बन जाएगा। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक(प्रभारी एनसीआर) नीरज वर्मा के साथ–साथ टीएचडीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारी और जीई वनोवा, एचसीसी तथा विद्युत क्षेत्र के अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ परियोजना संघ के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

एमडीडीए बीस बीघा में अवैध प्लॉटिंग का काम रोका

देहरादून।। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की टीम ने शनिवार को अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई को अभियान चलाया। मेहुवाला माफी में करीब दस बीघा में की जा रही अवैध प्लॉटिंग को संयुक्त सचिव गौरव चटवाल के आदेश पर ध्वस्त किया गया। कैलासपुर मेहुवाला माफी में भी करीब दस बीघा भूमि पर अवैध प्लॉटिंग का काम रोका गया।

न्यू आवास विकास भरत विहार ऋषिकेश में दो जगह अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। टीम में सहायक अभियन्ता शशांक सक्सेना, राजेन्द्र बहुगुणा,अवर अभियंता मनवीर सिंह, मुनेश राणा, जितेन्द्र सिंह, प्रवेश नौटियाल आदि शामिल रहे।

वो साल चौरासी में है पहाड़ की संस्कृति समाहित:टम्टा

देहरादून।। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री अजय टम्टा ने सर्वे चौक स्थित आईआरडीटीए सभागार में पत्रकार मनोज इष्टवाल की आत्म संस्मरणात्मक पुस्तक वो साल चौरासी का विमोचन किया।

पुस्तक अनावरण पर अजय टम्टा ने कहा कि पत्रकार के साथ ही पुस्तक के लेखक मनोज इष्टवाल साहित्य के क्षेत्र में इनकी विद्या से भी परिचित हो गए हैं। उनकी पुस्तक में पहाड़, प्रकृति, संयुक्त परिवार और पहाड़ी समाज के प्रति अगाध प्रेम है, जिसमें पहाड़ की संपूर्ण संस्कृति समाहित है। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि ऑटो बायोग्राफी लिखना साहस की बात है। लेखक ने अपने चालीस साल पूर्व के जीवन की प्रेम गाथा के बहाने लोकसमाज के मर्म को छूने का प्रयास किया है। सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने कहा कि लेखक ने पुस्तक में प्रेमी–प्रेमिका, घर–परिवार, समाज, लोक–लाज न जाने कितने पहलूओं का बखूबी ख्याल रखा है। पुस्तक की समीक्षा गणेश खुगशाल 'गणी' व प्रेम पंचोली ने की। इस दौरान उन्होंने पुस्तक के बारे में कहा कि उम्र के पहले पड़ाव में अक्सर सभी को अनुराग की अनुभूति होती है। उस प्रेम का देश काल और परिस्थिति भिन्न हो सकते हैं लेकिन संवेदनाएं एक सी होती हैं। जिसकी समीक्षा अरुण कुकसाल, जेपी पंवार, एसपी शर्मा, अशोक पांडे ने अपने अंदाज में की है। इस किताब में प्रेम के सभी आयाम शामिल हैं। मौके पर राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, डॉ. आशुतोष सयाना, डॉ. एसडी जोशी उपस्थित रहे।

माकपा से वीरेंद्र गोस्वामी ने किया त्रियुगीनारायण जिपं सीट से नामांकन

रुद्रप्रयाग। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी की बैठक में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को किसान, मजदूर और क्षेत्र की आवाज को बुलंद करने के लिए चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया। पार्टी की बैठक में जिला पंचायत सीट त्रियुगीनारायण से वीरेंद्र गोस्वामी को प्रत्याशी बनाया गया जिन्होंने शनिवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। वीरेंद्र गोस्वामी ने कहा कि छात्र जीवन से विगत 30 वर्षों से जनता की समस्या के लिए संघर्षरत हूं। क्षेत्र की जनता मुझसे भली भांति परिचित है। आज आम किसान से जुड़े सवाल जंगली जानवर, बंदर, सुअर, सड़क, शिक्षा, रोजगार हाशिए पर हैं। इन सवालों को लेकर जनता का वोट हासिल कर अपनी चमक धमक दिखानी है। बीते साल 31 जुलाई को आई आपदा में गौरीकुंड सोनप्रयाग के बीच भूस्खलन जोन का आज जक ट्रीटमेंट नहीं हो सका है। जिससे यहां पर मार्ग जानलेवा बना हुआ है। यात्रा सीजन में देश–विदेश से आने वाले यात्रियों को जान हथेली पर रख कर चलना पड़ता है।

कहा कि जिला पंचायत और पंचायतों को बचाने और उनके अधिकार के लिए संघर्षरत हैं।

प्राइमरी विद्यालय रामगढ़ में बच्चों को बांटी स्टेशनरी

देहरादून।। ग्रीष्मावकाश के पश्चात राजकीय प्राथमिक विद्यालय रामगढ़ में विद्यालय प्रबंधन समिति की जुलाई माह की बैठक में छात्र–छात्राओं की शैक्षिक प्रगति, वर्षा ऋतु में विद्यालय में आपदा की रोकथाम, न्यूनीकरण एवं प्रबंधन योजना, डायरिया रोकथाम के लिये स्टॉप डायरिया कैम्पेन, छात्रवृत्ति एवं जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन, छात्रों की उपस्थिति पर चर्चा हुई। विद्यालय के 106 छात्र–छात्राओं के लिए एक अनाम दानी की ओर से स्टेशनरी का वितरण किया गया। मौके पर प्रधानाध्यापक अरविन्द सिंह सोलंकी, प्रबंधन समिति अध्यक्ष सीमा, सहायक अध्यापक उषा चौधरी, समूना बिलकिश उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन का राशन व आयुष्मान कार्ड माफियाओं पर प्रहार

– 3323 राशन कार्ड, 9428 आयुष्मान कार्ड निरस्त, जांच जारी; मुकदमा दर्ज

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने जिले में अपात्र राशन एवं आष्युमान कार्ड पर की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए सत्यापन की कार्यवाही शुरू की गई जिसमें पाया कि 136676 निष्क्रिय राशन कार्डों से 9428 आष्युमान कार्ड बनाए गए हैं। वहीं जिला प्रशासन ने 3323 राशन कार्ड तथा 9428 आयुष्मान कार्ड को निरस्त कर सम्बन्धितों के विरूद्ध नगर कोतवाली एवं थाना राजपुर रोड में मुकदमा दर्ज करवाया है। जांच जारी है, गलत अभिलेख प्रस्तुत कर राशन कार्ड बनाए जाने के फलस्वरूप कार्यवाही की गई है।मुख्यमंत्री के निर्देश पर, जिला प्रशासन का राशन व आयुष्मान कार्ड माफियाओं पर प्रहार जारी है। जनमन के हक पर डाका डालने वालों की प्रशासन ने गर्दन मरोड़ते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 3323 राशन कार्ड, 9428 आयुष्मान कार्ड निरस्त, कर दिए गए हैं। ऐसा राज्य के किसी जिले में प्रथमबार, राशनकार्ड व आयुष्मान कार्ड फर्जीवाड़े पर जिला प्रशासन सख्त एक्शन ले रहा है। जिला प्रशासन अपने कड़े व सख्त एक्शन से राशन व आयुष्मान कार्ड माफिया गिरोहों को कुचलने का कार्य कर रहा है। जांच में सामने आया कि राशन कार्ड बनवाने के लिए फर्जी अभिलेख दिए गए है जिस पर जिला प्रशासन ऐसे गिरोहों पर सख्त कार्यवाही का मन बना चुका है, जांच में यह भी सामने आया कि निष्क्रिय 136676 राशन काडो से 9428 आयुष्मान कार्ड बने हैं।जिला प्रशासन के राशन कार्ड सत्यापन के दौरान 3323 राशन कार्ड निरस्त किये गये है। निरस्त किये गये राशन कार्डों की मात्रा अधिक होने के कारण कुछ लोगो द्वारा गलत दस्तावेज प्रस्तुत कर राशन कार्ड बनवाये गए है । निरस्त किये गये कार्डों पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को विधिक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये थे जिसके क्रम में थाना कोतवाली नगर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 336(2) व धारा 336(3) के तहत् सम्बन्धितों पर मुकदमें दर्ज किए गए हैं।वहीं राज्य स्वास्थ्य प्रा० को जिला खादय आपूर्ति कार्यालय देहरादून द्वारा निरस्त किए गए राशन कार्ड 1,36,676 का डेटा प्रदान किया गया था । उक्त 136676 राशन कार्ड के सापेक्ष 9,428 आयुष्मान कार्ड बने हुए पाए गए हैं । जिनको एसएचए द्वारा निष्क्रिय करने की प्रक्रिया गतिमान है व 9428 कार्डों को निरस्त किये भी जा चुके हैं। उक्त आयुष्मान कार्डों को बनाए जाने में किसी गिरोह के होने की सम्भावना होने के फलस्वरूप लिहाजा सम्बधितों के विरुद्ध थाना राजपुर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।जनपद में कुल 387954 राशन कार्ड हैं जिनमें 75576 राशन कार्ड सत्यापित है 3323 राशन कार्ड निरस्त किए गए हैं तथा सत्यापन कार्यवाही गतिमान है, वहीं निष्क्रिय 136676 राशन कार्ड के सापेक्ष 9,428 आयुष्मान कार्ड बने हुए पाए गए हैं, जिनकी जांच गतिमान है 9428 आयुष्मान कार्ड निरस्त कर दिए गए हैं।

मानसून में जल भराव समस्या निदान के लिए डीएम ने किया त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (क्यूआरटी) का गठन

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने मानसून अवधि के दौरान नगर निगम क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, एसडीएम हरिगिरी और एसडीएम कुमकुम जोशी की अध्यक्षता संबंधित विभागों के सहयोगी अधिकारियों को शामिल करते हुए त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (क्यूआरटी) का गठन किया है। त्वरित प्रतिक्रिया दलों को जल भराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करने, समस्या की पहचान और समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ताकि आम लोगों को जल भराव से परेशानी का सामना न करना पड़े।

नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह की अध्यक्षता में नगर निगम के मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी अविनाश खन्ना, जल संस्थान के ईई आशीष भट्ट, पेयजल निगम के ईई जीतमणी बेलवाल एवं सिंचाई विभाग के ईई ईआर पुरूषोत्तम को सदस्य नामित किया गया है। इस त्वरित प्रतिक्रिया दल को देहरादून नगर निगम के जल भराव क्षेत्र प्रिंस चौक, दर्शलनाला चौक, डीएल रोड चौक, सहारनपुर चौक, राजपुर रोड़, द्रोण चौक, जोहरी रोड़ जाखन, डालनवाला, रेलवे स्टेशन, 57/16डीएल लेन, न्यू ओपीडी दून, लखीबाग चौक, सहारनपुर चौक, 53एफ राजपुर रोड, हाथी बडकला, चन्द्रकॉलोनी, दून विहान वार्ड–6, कंडोली वार्ड–5 तथा चन्द्र लोक कॉलोनी क्षेत्रों में जल भराव समस्या के समाधान की जिम्मेदारी दी गई है।

एसडीएम हरिगिरी की अध्यक्षता में जल संस्थान के ईई सतीश नौटियाल, सिंचाई विभाग के ईई दीक्षांत गुप्ता और नगर निगम के ईई रचना पायल को दूसरी

क्यूआरटी का सदस्य नामित किया गया है। इस क्यूआरटी को टचवुड स्कूल, सहस्त्रधारा रोड, आराघर से धर्मपुर चौक, रायपुर क्षेत्रान्तर्गत जोगीवाला, लाडपुर, रिंग रोड, गुरुद्वारा नालापानी, मयूर विहार, आईटी पार्क पैसिफिक गोल्फ तक, भानियावाला, विष्णुलोक कॉलोनी, वाणी विहार, हरिद्वार रोड, थानो रायपुर, रिस्पना पुल, विजय दर्शनी, मालियान मोहल्ला बाजार, नेहरू कॉलोनी, नवादा थापा मार्ग, प्रगति विहान डिफेंस कॉलोनी, मियावाला पुल, नेहरू ग्राम गणेश नगर, चंद्रमण्डी, शिवपुरी भगत सिंह कॉलोनी, देव विहार, गणेश एन्क्लेव तथा भरत सिंह कॉलोनी में जलभराव समस्या के समाधान की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वहीं एसडीएम कुमकुम जोशी की अध्यक्षता में जल संस्थान के ईई सतीश नौटियाल, सिंचाई विभाग के ईई दीक्षांत गुप्ता एवं नगर निगम के मुख्य सफाई निरीक्षक मनीष दरियाल को तीसरी क्यूआरटी में सदस्य नामित किया गया है। तीसरे क्यूआरटी को जीएमएस रोड, नीलकंठ कॉलोनी केदारपुरम, मोथरोवाला, पुराना बाईपास चौक हरिद्वार रोड, द्रोणा पुरी कॉलोनी, भागीरथी पुरम बंजारावाला रोजवैली एन्क्लेव, पीवी बंजारावाला, पंचायत भवन, बंजारावाला, शिमला बाईपास तिराहा, आईएसबीटी के पास, अनार वाला गुच्चू पानी, द्रोणा पुरी कॉलोनी, बल्लीवाला, संतोष नगर, कारगी ग्रांट, टीएचडीसी कॉलोनी, आस्था एन्क्लेव, टी स्टेट बंजारावाला, टर्नर रोड, गोकुल कुंज स्मृति नगर प्रेमनगर और संजय कॉलोनी में जल भराव की समस्या के समाधान की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिलाधिकारी ने क्यूआरटी में नामित सभी अधिकारियों को मानसून अवधि के दौरान उनको आवंटित स्थानों पर जल निकासी में व्यवधान व चोकिंग पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने और चिन्हित क्षेत्रों में स्थित नाले–नालियों की साफ–सफाई की वस्तुस्थिति का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश जारी किए है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com